INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-70 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 7 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पुलिस की 14 दिन कड़ी मशक्कत के बाद टैंटीगांव डकैती कांड का खुलासा

मुठभेड़ में पुलिस की गोली से दो लुटेरे ढेर

राजेंद्र उर्फ पप्पू

धर्मवीर उर्फ लंबू

यूनिक समय, सुरीर, मथुरा। टैंटीगांव में हुए चर्चित डकैती कांड में आज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लूट कांड के दो बदमाश पुलिस की गोली से ढेर हो गए। वहीं बदमाशों की गोलियों से स्वॉट टीम प्रभारी व सिपाही भी घायल हो गया। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि सुरीर पुलिस और स्वॉट टीम इलाके में गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान आज सुबह पुलिस टीम को एक सूचना मिली कि टैंटीगांव में लूट की वारदात करने वाले बदमाश किसी घटना को अंजाम देने के लिए इलाके में आए हुए हैं। इस सूचना पर पुलिस व स्वॉट टीम सतर्क होकर चेकिंग करने लगी। यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन 89 के समीप सर्विस रोड पर चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान वहां से गुजरते बदमाशों ने पुलिस को देखा तो फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। पुलिस की गोली से दोनों बदमाश घायल होकर गिर पड़े। पुलिस ने घायल बदमाशों को तुरंत सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मथुरा के लिए रैफर कर दिया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों बदमाशों का परीक्षण करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मुठभेड़ में मारे गए बदमाशों में धर्मवीर उर्फ लम्बू निवासी गांव बोकाली थाना गहनोली मोड़ जिला भरतपुर राजस्थान व दूसरा पप्पू उर्फ राजेंद्र निवासी अम्बेडकर नगर गावर्मेंट कालेड बेहरोड अलवर राजस्थान है। बदमाशों से टैंटीगांव में हुई लूट का माल भी मिला हैं। एसपीआरए सुरेशचंद रावत लगातार टैंटीगांव में हुई लूट की वारदात में शामिल लुटेरों की तलाश में लगी पुलिस टीमों से लगातार संपर्क कर मॉनिटरिंग कर उन्हें निर्देश दे रहे थे। सीओ मांट संदीप सिंह भी अपने स्तर से टीम को लगातार गाइड कर रहे थे। आखिर इन सभी की मेहनत रंग लाई और पुलिस ने 14 दिन में डकैती की घटना का खुलासा कर लूट करने वाले दो शातिर लुटेरे भी ढेर कर दिये।

स्वॉट प्रभारी सहित दो घायल

लूट का माल भी हुआ बरामद

एसपीआरए भी लगातार कर रहे थे मॉनिटरिंग

बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

यूनिक समय, मथुरा। लूट की घटना में शामिल गैंग के अन्य बदमाशों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। उनको भी गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमें लगी हुई हैं। शीघ्र ही वे भी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

गोली लगने से स्वॉट टीम प्रभारी व सिपाही घायल

अस्पताल में भर्ती स्वॉट टीम प्रभारी व सिपाही को देखने पहुंचे एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में स्वॉट टीम के प्रभारी अजय वर्मा और सिपाही दिगविजय सिंह भी घायल हो गए। घायलों को तुरंत साथी पुलिकर्मियों ने अस्पातल में भर्ती कराया। घायलों को देखने के लिए एसएसपी, एसपीआरए सहित अन्य अधिकारी पहुंच गए। घायलों का इलाज चल रहा है।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता

यूनिक समय, मथुरा। टैंटीगांव में 23 अप्रैल की रात नकाबपोश बदमाशों ने अजय अग्रवाल के घर पर धावा बोलकर परिवार को बंधक बनाकर करीब दो घंटे तक लूटपाट की थी। बदमाश 3.22 लाख रुपये नकद और लगभग 12 लाख रुपये के सोने–चांदी के आभूषण लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस को 14 दिन कड़ी मशक्कत करने के बाद मिली बड़ी सफलता।

17 टीमों ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की खंगाली थी फुटेज

यूनिक समय, मथुरा। लूट की घटना का खुलासा करने के लिए एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस की 17 टीमें लगाई थीं। टीमों ने करीब दो सैंकड़ा सीसीटीवी केमरों की फुटेज को खंगाला तथा सर्विलांस और मुखबिरों का भी सहारा लिया। कई जनपदों की खाख छानी। सैंकड़ों आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से पूछताछ की। इसके बाद पुलिस के हाथ बदमाशों तक पहुंच पाए।

बदमाशों पर दर्ज हैं कई मुकदमे 50 हजार का है इनाम

यूनिक समय, मथुरा। मुठभेड़ में मारे गए दोनों शातिर बदमाश नाम बदलकर दूसरे जनपदों में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के मामलों में जेल जा चुके थे। एक बदमाश पर 11 और दूसरे बदमाश पर 17 लूट, हत्या व डकैती जैसे जघन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस इनका रिकार्ड खंगाल रही है। मारे गए बदमाशों की गिरफ्तारी पर पुलिस विभाग ने घोषित किया था 50 हजार का इनाम।

मुठभेड़ में दोनों बदमाशों को लगीं पांच गोलियां

यूनिक समय, मथुरा। मुठभेड़ के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच कई राउंड गोलियां चलीं। इस दौरान पुलिस की तीन गोलियां एक बदमाश को और दो गोलियां दूसरे बदमाश के सीने में लगीं, जिससे दोनों की मौत हो गई।

अजीब कहलाने वाले लोग ही बदलते हैं दुनिया

जो लोग भीड़ से अलग सोचते हैं वही दुनिया में नया रास्ता बनाते है

यूनिक समय, मथुरा। बचपन से ही जब कोई व्यक्ति दूसरों से थोड़ा अलग व्यवहार करता है तो उसे अक्सर "अजीब" कहकर चिढ़ाया जाता है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह "अजीबपन" कोई कमी नहीं, बल्कि व्यक्ति के असली और प्रामाणिक स्वरूप की ओर बढ़ने का संकेत है।

अंतरात्मा पर शोध करने वाली प्रोफेसर रेबेका श्लेगल के अनुसार, जैसे–जैसे लोग उम्रदराज होते हैं वे अपने वास्तविक व्यक्तित्व के और करीब पहुंचते हैं। शोध में 19 से 67 वर्ष के लोगों ने माना कि हर दशक के साथ वे अधिक "प्रामाणिक" और आत्मविश्वासी बनते हैं। येल स्कूल ऑफ मेडिसिन की डॉ. एबोनी डिक्स

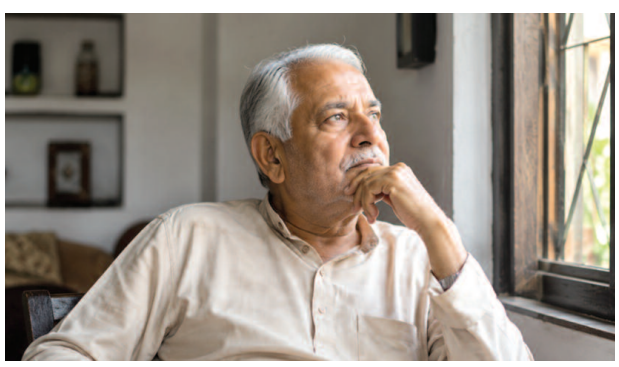

का कहना है कि युवावस्था में लोग समाज को खुद समझाने में बहुत ऊर्जा खर्च करते हैं, जबकि उम्र बढ़ने पर उन्हें स्पष्ट हो जाता है कि वे कौन हैं और क्या चाहते हैं। ह्यूमन इंटेलिजेंस एक्सपर्ट डॉ. स्कॉट काफमैन के अनुसार, "वियर्डनेस" यानी अलग सोच वास्तव में अनुभवों के प्रति खुलापन है, जो रचनात्मकता की आधारशिला है। जो लोग अलग सोचते हैं, वे ही नए विचार और नवाचार लेकर आते हैं। इसलिए समाज में ऐसे लोगों का सम्मान और उत्सव मनाया जाना चाहिए। लेखिका डियान शिफर के अनुसार, अपने "अजीबपन" को स्वीकार करना आसान नहीं होता, क्योंकि हर कोई इसे स्वीकार नहीं करता। लेकिन इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति अपने असली स्वरूप के साथ शांति से रह सकता है।

जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, हम और ज्यादा अपने असली रूप के करीब पहुंचते हैं

'वियर्डनेस' ही रचनात्मकता और नए आविष्कारों की असली चाबी है

4440 मजदूरों को मिला सौ दिन का रोजगार

सौ दिन रोजगार का दावा गांवों में फेल

मजदूरी नहीं मिली तो शहरों की ओर पलायन

मनरेगा में सुस्त पड़े विकास कार्यों के पहिए

गांवों में काम कम, मजदूरों की बढ़ी परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। मनरेगा योजना में ग्रामीण मजदूर को सौ दिन का रोजगार देने का प्रावधान है, जिससे यह मजदूर खेती के साथ मनरेगा में काम करके परिवार का लालन– पालन कर सकें, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। जिले में इस योजना की स्थिति बिलकुल विपरीत है। मनरेगा के अंतर्गत जिले में करीब 1.80 लाख जॉब कार्ड धारक हैं, लेकिन बीते वित्तीय साल में केवल चार हजार से अधिक जॉब कार्डधारकों को ही 100 दिन का रोजगार मिला है।

जिले की 495 ग्राम पंचायतों में 181339 जॉब कार्ड धारक हैं। मनरेगा योजना के तहत ग्राम पंचायतों की ओर से गांवों में चकमार्ग, तालाब का सुंदरीकरण, खेत समतलीकरण, नाली सहित अन्य विकास कार्य कराने पर जॉब कार्डधारकों को रोजगार दिया जाता है। पिछले सालों से मनरेगा में जॉब कार्डधारकों को रोजगार देने के आंकड़े सुस्त हो रहे हैं। गांवों में मनरेगा मजदूरों को पर्याप्त रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इससे उनके परिवारों का पालन–पोषण हो सके। रोजगार की तलाश में मजबूरन मजदूरों को कस्बा और शहर जाना पड़ रहा है। जिले में सिर्फ 4440 जॉब कार्डधारकों को 100 दिन का रोजगार मिलने के आंकड़े इस स्थिति को बयां कर रहे हैं। गांवों में 100 का रोजगार देने के नाम पर केवल खाना पूर्ति हो रही है।

गांव मिर्जापुर के जॉब कार्डधारक निरंजन ने बताया कि गांव में मनरेगा योजना में उन्हें पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल पाती है। काम मिलने के बाद मजदूरी के भुगतान के लिए काफी दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। समय पर मजदूरी न मिलने से काफी दिक्कतें होती है। ऐसे में काम करने के लिए आगरा–मथुरा जाना पड़ता है।

उपायुक्त मनरेगा बोले

उपायुक्त मनरेगा विजय कुमार पांडेय ने बताया कि बीते वित्तीय वर्ष में 45 सौ अधिक श्रमिकों ग्रामीणों को मनरेगा योजना के अंतर्गत सौ दिन का रोजगार उपलब्ध कराया गया है। ग्राम पंचायतों में आज भी काम चल रहे हैं। श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास हो रहे हैं।

तापमान / मौसम

32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

23 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,52,280

22 कैरेट 1,39,700

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,61,360 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

लायंस क्लब दिल्ली श्री राधा ने 110 सेफ्टी जैकेट वितरित कीं

एक नाविक को सेफ्टी जैकेट देते एडीएम पंकज कुमार वर्मा।

यूनिक समय, मथुरा। हाल ही में वृन्दावन स्थित यमुना में हुई दुःखद नाव दुर्घटना में 16 तीर्थ यात्रियों की मौत को दृष्टिगत रखते हुए लायंस क्लब दिल्ली श्री राधा ने मथुरा प्रशासन के सहयोग से 110 सेफ्टी जैकेट वितरित कीं।कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में गोकुल, मथुरा और वृन्दावन के पंजीकृत नाविकों को एडीएम पंकज कुमार वर्मा, डिस्ट्रिक्ट 321 ए –वन के गवर्नर लायन ओंकार सिंह रेणु तथा सेकेंड वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन जग्गी के नेतृत्व में सेफ्टी जैकेट प्रदान की गईं।

मथुरा में स्व–गणना अभियान शुरू

महापौर और नगर आयुक्त ने फार्म भरा

प्रमुख संवाददाता

जनगणना का फार्म भरते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

यूनिक समय, मथुरा। भारत सरकार द्वारा संचालित जनगणना–2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य को सुगम, त्वरित एवं अधिक सटीक बनाने के उद्देश्य से नगर निगम मथुरा–वृंदावन ने आज से 21 मई तक चलने वाले विशेष "स्व–गणना जागरूकता अभियान" प्रारंभ किया। इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को अधिक से अधिक संख्या में स्वयं ऑनलाइन स्व–गणना करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नागरिक निर्धारित स्व–गणना पोर्टल पर जाकर अपनी आवश्यक जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं ।

इसी क्रम में आज सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी के नेतृत्व में फील्ड ट्रेनर बलवीर सिंह के सहयोग से महापौर विनोद अग्रवाल, नगर आयुक्त जग प्रवेश एवं नगर निगम के अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्व–गणना कर जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। महापौर एवं नगर आयुक्त द्वारा जनगणना–2027 के अंतर्गत प्रारंभ हुई स्व–गणना प्रक्रिया के तहत आधिकारिक पोर्टल पर अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर फॉर्म सबमिट किया। नागरिकों से भी इस अभियान में बढ़–चढ़कर सहभागिता करने की अपील की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को स्व–गणना के लिए जागरूक एवं प्रेरित करना है, ताकि जब प्रगणक घर–घर संपर्क करें, तब गृहस्वामी उन्हें अपनी स्व–गणना आईडी उपलब्ध करा सकें। इससे गणना कार्य में कम समय लगेगा तथा डेटा अधिक सटीक एवं यथार्थ रूप में पोर्टल पर अपलोड किया जा सकेगा।

बाइक के पहिये में रस्सी फंसने से युवक की मौत

यूनिक समय, सुरीर। थाना नौहझील क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। बाइक पर बंधे भारी बैग उसकी मौत का कारण बन गए। पुलिस ने बताया कि आज दोपहर करीब डेढ़ बजे पीआरवी 1877 को सूचना मिली कि एक्सप्रेसवे पर हुई एक दुर्घटना में बाइक सवार घायलावस्था में पड़ा है। सूचना पर थाना प्रभारी एवं बाजना कट चौकी प्रभारी हरेंद्र सिह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहां एक्सप्रेस वे पर बाइक और चालक तीसरी लेन पर घायलावस्था में पड़ा मिला, जिन्हें तत्काल सुरक्षित किनारे कराया गया। बाइक पर चार बड़े बैग लदे हुए थे। बैगों को बांधने वाली रस्सी अचानक पिछले पहिए में उलझ गई, जिससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घायल युवक की पहचान आधार कार्ड से राकेश पुत्र सुरेश चंद्र निवासी नीति निवास तिसंगा, जनपद हाथरस के रूप में हुई। मौके पर बाइक भी बरामद हुई। गंभीर रूप से घायल युवक को एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने युवक के पास से मिले आधारकार्ड के पते पर परिवार को दुर्घटना में युवक की हुई मौत के बारे में सूचना दे दी है।

बृज चौरासी कोस मार्ग होगा अब और सुगम

सिटी रिपोर्टर

बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग और एदलगढ़ी–सल्ल मार्ग के लिए 1 करोड़ 38 लाख जारी

यूनिक समय, मथुरा। बृज की पावन परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं से लेकर गांवों से शहर तक रोज सफर करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। लंबे समय से प्रतीक्षित सड़क परियोजनाओं को अब नई गति मिलने जा रही है। शासन ने मथुरा की दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं के लिए करीब 1 करोड़ 38 लाख रुपये की धनराशि जारी कर दी है। इससे न केवल सड़क निर्माण कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है, बल्कि धार्मिक पर्यटन, ग्रामीण संपर्क और स्थानीय व्यापार को भी नई मजबूती मिलेगी।

संयुक्त सचिव राजेश प्रताप सिंह ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश जारी करते हुए डीएम सीपी सिंह और कोषाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं, बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के नव निर्माण कार्य और एदलगढ़ी से सल्ल मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए अवशेष धनराशि जारी की गई है। एदलगढ़ी–सल्ल मार्ग परियोजना पहले से स्वीकृत प्रमुख परियोजनाओं में शामिल है, जबकि परिक्रमा मार्ग बृज क्षेत्र की धार्मिक आस्था और पर्यटन से सीधे जुड़ा हुआ है।

इन परियोजनाओं का लाभ केवल सड़क सुधार तक सीमित नहीं रहेगा। चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग बेहतर होने से देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा। वहीं एदलगढ़ी–सल्ल मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण से ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, जिससे स्थानीय व्यापार, परिवहन और दैनिक आवागमन को सीधा लाभ मिलने की संभावना है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

छह घंटे की मशक्कत के बाद मुक्त कराई श्मशान भूमि

यूनिक समय, गोवर्धन। गिरिराज जी की नगरी गोवर्धन जहाँ लोग मोक्ष की कामना लेकर आते हैं, वहाँ एक मृत देह को अग्नि देने के लिए परिजनों को छह घंटे तक संघर्ष करना पड़ा। मामला राधाकुंड छोटी परिक्रमा मार्ग के चुतर टेका का क्षेत्र का है, जहाँ श्मशान की जमीन को लेकर हुए विवाद ने इतना तूल पकड़ा कि अंतिम संस्कार रुक गया। एक तरफ पूर्वजों की विरासत का दावा था तो दूसरी तरफ कथित अवैध कब्जाधारियों की अड़चन।

मृतका के परिजनों का दावा है कि जिस जमीन पर वे दाह संस्कार करने पहुंचे थे वह उनके पूर्वजों की है। वहां

पहले से ही उनके पूर्वजों की समाधियां बनी हुई हैं। हालांकि, जब वे शव लेकर वहां पहुंचे तो कुछ बंगाली बाबाओ ने जमीन पर अपना मालिकाना हक जताते हुए अंतिम संस्कार करने से रोक दिया। परिजनों का आरोप है कि जमीन पर अवैध

बंगाली बाबाओं ने उक्त जमीन पर कर रखा था अवैध रूप से कब्जा

कब्जा कर रखा है। विवाद की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश की, लेकिन कब्जाधारी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं था। हंगामा बढ़ता देख लेखपाल और पुलिस के आला अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया। जब समझाने से बात नहीं बनी तो पुलिस ने अड़चन डालने वाले नामजद लोगों को हिरासत में लिया और थाने ले गई। जिसके बाद लेखपाल ने जमीन के कागजात और रिकॉर्ड खंगाले और घंटों चली जांच के बाद स्पष्ट हुआ कि अंतिम संस्कार करने आए लोगों का दावा सही था। इसके बाद करीब छह घंटे की देरी से चिता जलाई जा सकी। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अंतिम विदाई जैसे संवेदनशील समय पर इस तरह की राजनीति और कब्जा करना मानवता के खिलाफ है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और जमीन से जुड़े अन्य तथ्यों का भी पता लगाया जा रहा है।

नायब तहसीलदार की बड़ी कार्रवाई

अवैध खनन करते मिट्टी से भरा ट्रैक्टर पकड़ा

अवैध खनन करते पकड़े गये ट्रैक्टर के साथ नायब तहसीलदार शिवशंकर आदि।

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन का डंडा लगातार चल रहा है, लेकिन खनन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे कार्रवाई के बावजूद अपनी गतिविधियों से बाज नहीं आ रहे हैं। इसी क्रम में नायब तहसीलदार शिव शंकर ने एक बार फिर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए मिट्टी से भरे एक ट्रैक्टर को रंगे हाथों पकड़ने में सफलता हासिल की है।

मिली जानकारी के अनुसार नायब तहसीलदार शिवशंकर को सूचना मिली थी कि कोसीकलां क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी का खनन कर परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही वे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे और घेराबंदी कर मिट्टी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवा लिया। टीम को देखते ही मौके पर भगदड़ मच गई। चालक ट्रैक्टर छोड़कर भागने में सफल रहा, जिसे प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से तहसील प्रशासन द्वारा अवैध खनन पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की जा रही है। तहसीलदार सचिन पवार के नेतृत्व में पिछले हफ्ते भी कई वाहनों पर कार्रवाई की गई थी। इसके बावजूद माफियाओं द्वारा चोरी-छिपे खनन का खेल जारी है।

नायब तहसीलदार ने कहा कि अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और जहाँ भी सूचना मिलेगी, इसी तरह की कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। माफियाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं।

बंदरों ने महिला पर बोला हमला, लगवाने पड़े टांके

कस्बा और गांवों में उत्पाती बन गए हैं बंदर, कर रहे नुकसान

गांव पींगरी में एक व्यक्ति की मौत के बाद बंदरों का दूसरा कृत्य

यूनिक समय, फरह। शहर से लाकर राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप छोड़े गए बंदर अब गांव और कस्बा में समस्या बन गए हैं। गांव पींगरी में बंदरों के हमले में जान गंवाने वाले व्यक्ति की मौत का मामला ठंड़ा नहीं पड़ा कि गुरुवार को बंदरों ने खाना बना रही एक महिला पर हमला बोल दिया। बंदरों के हमले में घायल महिला को सीएचसी में लाया गया, जहां उसके हाथ में टांके लगाने पड़े। ब्लॉक के काफी गांवों में इन दिनों बंदरों का उत्पात मचा हुआ है। फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले यह बंदर अब खूंखार होकर ग्रामीणों पर हमला बोल रहे हैं। कस्बा में भी वानर सेना लोगों को परेशान कर रही है। बंदरों की इस करतूत से महिलाएं छतों पर कपड़े भी नहीं सुखा पा रही हैं। घरों में गमलों में लगाए गए पौधों को भी बंदर नष्ट कर रहे हैं। गांव पींगरी भी इन दिनों बंदरों की समस्या से जूझ रहा है। बीते माह 26 अप्रैल को बेटी की शादी के लिए छत पर गेहूं सुखाने गए इसी गांव के निवासी अमर सिंह उर्फ भोलू पर बंदरों ने हमला बोल दिया था। बंदरों से

सीएचसी में भर्ती बंदरों के हमले में घायल वैजयंती।

बचने के प्रयास में वह छत से गिर गए। घटना के दूसरे दिन उनकी आगरा के एसएन मेडिकल कालेज में मौत हो गई थी। मृतक की बेटी की 10 मई को बरात आनी थी, लेकिन बंदरों की वजह अमर सिंह बेटी के हाथ भी पीले नहीं कर सके । अब बंदरों ने आज सुबह एक महिला को फिर घायल कर दिया। गांव निवासी भगवान सिंह की पत्नी वैजयंती सुबह करीब साढ़े सात बजे चूल्हे पर खाना बना रही थी, तभी अचानक घर में घुसे बंदरों के झुंड ने महिला पर हमला बोल दिया। महिला चीखी- चिल्लाई, लेकिन तब तक बंदरों ने महिला को नोंच डाला। आवाज सुनकर परिजन आए और बमुश्किल बंदरों को भगाया। इसके बाद घायल महिला को पं. दीनदयाल उपाध्याय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार के बाद महिला के हाथ में टांके लगाए। ग्रामीणों ने प्रशासन से बंदरों के आंतक से निजात दिलाने की मांग की है।

तीन माह बाद भी नहीं खुल सका मौत का राज

पीड़ित मां ने एसएसपी से लगाई गुहार

नामजदों को अनुचित लाभ देने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। तीन माह बीतने के बाद भी एक मां को उसके पुत्र की मौत का कारण नहीं पता लग सका है। गांव के ही दो लोगों पर अपहरण के बाद पुत्र को तालाब में फेंककर मारने का आरोप लगाने वाली महिला ने थाना रिफाइनरी पुलिस पर आरोपियों को अनुचित लाभ देने की बात कही है। पुलिस मामले में जांच चलने की बात कह रही है।

थाना रिफाइनरी के गांव बमूरी की रहने वाली रुकमणी ने गुरुवार को एसएसपी को दिए गए पत्र में बताया है कि इसी साल 22 फरवरी उसके पुत्र गौरव का अज्ञात व्यक्ति ने अपहरण कर लिया। पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया तो बिना जांच पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। इसके बाद तीसरे दिन पुत्र का शव गांव के तालाब में मिला,

(गौरव)

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की साफ वजह नहीं दर्शाई गई।

पीड़िता का आरोप है कि उसके पुत्र गौरव की हत्या गांव के ही सोनू और उसके साथी राकेश ने की है। इसे लेकर उसने रिफाइनरी पुलिस को बताया तो पुलिस ने उसे टाल दिया। आरोप है कि पुलिस पुत्र की मौत से जुड़े मामले में आरोपियों को अनुचित लाभ देना चाहती है, तीन महीने से उसे जांच के नाम पर टरकाया जा रहा है। पीड़िता ने एसएसपी से मामले की जांच कराने की मांग की है। वहीं, थाना प्रभारी निरीक्षक जयबिंद कुमार गुप्ता का कहना है कि प्रकरण में जांच कराई जा रही है, सच जल्द सामने आएगा।

गोवर्धन रोड पर बाइक रिक्शा को ईको कार ने मारी टक्कर

एक की मौत, दो घायल

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन रोड पर सतोहा चौकी के पास माल ढोने वाले बाइक रिक्शा को ईको कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों में मरने वाले का बेटा भी है।

शिब्बो निवासी बाकलपुर बाइक रिक्शा से मजदूरी का काम करता था। बताया गया कि वह कल शाम गोवर्धन से मजदूरी करने के बाद घर के लिए लौट रहा था। बाइक रिक्शा में उसका बेटा संतोष और जीतू भी बैठे हुए थे। गोवर्धन रोड पर सतोहा चौकी के समीप तेज गति से आती ईको कार ने बाइक रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक रिक्शा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में शिब्बो गंभीर रुप से घायल हो गया। बेटे संतोष की उंगली भी कट गई। जीतू को हलकी चोट आई। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में शिब्बू की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

युद्ध की मारः डामर महंगा, सड़कों का बिगड़ा बजट

जनपद की सड़क निर्माण परियोजनाओं पर गहराया संकट

यूपी सरकार ने बदले नियम

पुराने अनुबंधों में पहली बार विशेष राहत

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। पश्चिम एशिया में युद्ध तनाव के असर और वैश्विक बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बाद हुई उथल-पुथल का असर अब उत्तर प्रदेश की सड़कों तक पहुंच गया है। बिटुमिन (डामर) की कीमतों में अचानक आई तेज बढ़ोतरी ने सड़क निर्माण परियोजनाओं का पूरा गणित बिगाड़ दिया। सरकार को आनन-फानन में पुराने ठेकों के नियम बदलने पड़े। बदलते प्रावधान सिर्फ राहत की कहानी नहीं बताते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि बढ़ती लागत, भुगतान संकट, सत्यापन की सख्ती और संभावित विवादों ने निर्माण व्यवस्था को झकझोर दिया है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने उत्तर प्रदेश की सड़क परियोजनाओं की आर्थिक नींव हिला दी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ीं तो सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाले बिटुमिन की दरें भी अचानक उछल गईं। हालत यह बनी कि पुराने ठेकों पर काम कर रहे ठेकेदारों के सामने लागत और भुगतान का संतुलन बिगड़ने लगा। इसके बाद सरकार को हस्तक्षेप करते हुए विशेष मूल्य समायोजन लागू करना पड़ा।

सबसे बड़ा संकेत यह है कि सरकार ने सिर्फ उन्हीं अनुबंधों को राहत दी है, जिनमें पहले से मूल्य वृद्धि का प्रावधान नहीं था। यानी प्रशासन मान रहा है कि अचानक आई महंगाई ने पुराने टेंडरों को आर्थिक रूप से असंतुलित कर दिया है। 1 अप्रैल 2026 से पहले जारी टेंडरों को ही राहत देने का फैसला बताता है कि सरकार नुकसान की सीमा तय करना चाहती है जिससे यह भी दिखाता है कि यदि यह निर्णय नहीं लिया जाता तो कई परियोजनाओं में काम धीमा पड़ सकता था। ठेकेदार अतिरिक्त लागत वहन करने की स्थिति में नहीं थे और भुगतान विवाद बढ़ने की आशंका थी। इससे साफ है कि सरकार ने सड़क निर्माण की रफ्तार बचाने के लिए आर्थिक दबाव को आंशिक रूप से अपने ऊपर लेने की रणनीति बनाई है।

बाकी निर्माण सामग्री पर बढ़ा दबाव

यूनिक समय, मथुरा। बिटुमिन (डामर) की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बाद सरकार ने सड़क निर्माण कार्यों में सीमित राहत देने का फैसला लिया है। शासन ने पुराने ठेकों में बिटुमिन की कीमतों पर विशेष मूल्य समायोजन लागू किया है, लेकिन सीमेंट, स्टील और अन्य निर्माण सामग्री पर किसी प्रकार की अतिरिक्त राहत नहीं दी जाएगी। निर्माण क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले महीनों में लगभग सभी निर्माण सामग्री महंगी हुई हैं, लेकिन सरकार ने केवल डामर को राहत के दायरे में रखा है, क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक तेल बाजार से है। सरकार का मानना है कि सभी सामग्री पर मूल्य समायोजन देने से हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ सकता था। हालांकि इस फैसले से ठेकेदारों को आंशिक राहत जरूर मिली है, लेकिन बाकी बढ़ी लागत उन्हें स्वयं वहन करनी पड़ेगी। इसी कारण निर्माण जगत इसे "आधी राहत, आधा दबाव" वाला फैसला मान रहा है।

18 महीने वाले ठेके बाहर छोटे ठेकेदारों पर ज्यादा फोकस

यूनिक समय, मथुरा। सबसे बड़ा संकेत यह है कि सरकार ने उन परियोजनाओं को अलग रखा है, जिनमें पहले से मूल्य वृद्धि का प्रावधान मौजूद था। खासकर 18 माह से अधिक अवधि वाले बड़े अनुबंध इस राहत से लगभग बाहर कर दिए गए हैं। इसका मतलब साफ है कि सरकार की असली चिंता छोटे और मध्यम स्तर के ठेकेदारों को लेकर थी। जिन परियोजनाओं में लंबी अवधि का अनुबंध था, उनमें पहले से महंगाई समायोजन की व्यवस्था मौजूद थी। लेकिन छोटे अनुबंध अचानक बढ़ी बिटुमिन कीमतों के सामने सीधे संकट में आ गए। सरकार ने राहत का दायरा नियंत्रित रखने के लिए सबसे कमजोर हिस्से को प्राथमिकता दी। छोटे ठेकेदारों के पास अतिरिक्त लागत वहन करने की क्षमता सीमित होती है। यदि राहत नहीं मिलती तो स्थानीय स्तर की सड़क परियोजनाएं सबसे पहले प्रभावित हो सकती थीं।

जलते कचरे से हाईवे पर सांस लेना हुआ मुश्किल

ब्लाक कार्यालय के समीप हाईवे के किनारे जलाया कचरा

झाड़ी और बेकार पॉलीथिन से निकला धुआं बारिश ने बुझाई आग

यूनिक समय, फरह। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे फेंके जा रहे कचरे में बुधवार रात आग से निकले धुएं ने सांसों पर संकट पैदा कर दिया। आग की वजह से झाड़ियां जल गईं, जबकि वाहन चालकों के साथ राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ी। नगर पंचायत इस कचरे को अपना बताने से इंकार कर रही है।

ब्लॉक कार्यालय से आगे फतिहा पुल के पास कचरा फेंका जा रहा है। कचरे में कूड़े के अलावा काटे जा रहे जानवरों के अवशेष भी शामिल होते हैं। बीती रात इस कचरे में कोई आग लगा गया, जिससे काफी क्षेत्र में आग फैल गई। आग ने आसपास मौजूद कई पेड़ और कटीली झाड़ियों को आगोश में ले लिया। तेजी से जलती आग की वजह से बयार के साथ उड़े धुएं से लोगों को काफी परेशानी भी हुई। राष्ट्रीय राजमार्ग से निकलने वाले वाहन भी धुएं की वजह से परेशान होते रहे।

कचरे की इस आग को रात हुई वर्षा ने कुछ शांत किया, लेकिन गुरुवार की सुबह तक बारिश के पानी से यह आग बुझ नहीं सकी। कचरा सुलगने से धुआं निकलता रहा, जो सांसों को जहरीला बनाता रहा। कचरे में काटे जाने वाले पशु और मुर्गा आदि के अवशेष होने से निकलने वाली बदबू लोगों को परेशान करती रही। ऐसे कचरे पर काफी संख्या में कुत्ते (स्वान) और बाज, चील भी मड़राते रहे।

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी शिव कुमार का कहना है कि इस कचरे से नगर पंचायत का कोई मतलब नहीं है। नगर पंचायत का कोई कर्मचारी यहां कचरा डालता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रक्रिया तबादला नीति 2026-27 लागू

प्रदेश में 31 मई तक पूरे होंगे सभी ट्रांसफर

सिटी रिपोर्टर

तीन साल जिला, सात साल मंडल

अब तय अवधि पर अनिवार्य होगा ट्रांसफर

आकांक्षी जिलों और दिव्यांग कर्मियों को विशेष राहत

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए नई वार्षिक स्थानांतरण नीति लागू कर दी है, जिसके तहत सभी विभागों में तबादलों की प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से शुरू होकर 31 मई 2026 तक पूरी करनी होगी। नई नीति में समयसीमा, पारदर्शिता और संवेदनशील पदों पर तैनाती को लेकर सख्त प्रावधान किए गए हैं। इस नीति के अनुसार समूह 'क' और 'ख' के अधिकारियों को एक जनपद में तीन वर्ष तथा एक मंडल में सात वर्ष की सेवा पूरी होने पर अनिवार्य रूप से स्थानांतरित किया जाएगा। वहीं कुल तबादलों की सीमा अधिकतम 20 प्रतिशत तय की गई है, जिससे अनावश्यक और बड़े पैमाने पर तबादलों पर रोक लग सके।

समूह 'ग' और 'घ' कर्मचारियों के लिए यह सीमा 10 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जबकि विशेष परिस्थितियों में इसे 20 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। इन वर्गों के तबादले संबंधित विभागाध्यक्ष के स्तर से ही किए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि तबादलों को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए यथासंभव ऑनलाइन और मेरिट बेस्ड ट्रांसफर सिस्टम लागू किया जाएगा। साथ ही मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही कार्यभार ग्रहण और वेतन आहरण की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। नीति में संवेदनशील पदों पर संदिग्ध छवि वाले कर्मचारियों की तैनाती पर रोक लगाई गई है। साथ ही आकांक्षी जिलों और विकास खंडों में सभी पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विकास योजनाओं को गति मिल सके। मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा, बच्चों की शिक्षा, पति-पत्नी की एक ही स्थान पर तैनाती और दिव्यांग कर्मचारियों को विशेष राहत दी गई है। वहीं दो वर्ष के भीतर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को वरीयता के आधार पर इच्छित स्थान पर तैनाती देने का प्रावधान भी रखा गया है। सरकार ने साफ किया है कि स्थानांतरण आदेशों का पालन न करने या दबाव बनाने की स्थिति में संबंधित कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पंचम पुण्यतिथि

श्री संजय नन्दा
स्मरण कर आपका, श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।
सदा रहे आशीष आपका, प्रभु से प्रार्थना करते हैं।
आज आपकी पंचम पुण्यतिथि पर समस्त परिवारीजन आपको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।
श्रद्धानवत
हेमा नन्दा (पत्नी) वैभव नन्दा-अदिति नन्दा (पुत्र-पुत्रवधु)
क्रिति नन्दा (पुत्री) राजेश नन्दा-बिन्दिया नन्दा (भ्राता-भ्रातावधु)
शानिया नन्दा, मिशिका नंदा (पौत्री) प्रतीक नन्दा-जानवी नन्दा (भतीजा/भतीजावधु) अंशिका-मोहित कत्याल (भतीजी-दामाद)
राजस्थान गुड्स कैरियर्स ट्रांसपोर्ट
एस एण्ड एस कम्युनिकेशन
अरबन लाइफ, मथुरा

'वन डिस्ट्रिक्ट वन क्यूजीन' को मंजूरी

मथुरा का पेड़ा अब दुनिया के स्वाद मानचित्र पर

दुग्ध उद्योग, मिठाई कारोबार और छोटे व्यापारियों को मिल सकती है नई ताकत

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की गलियों में घुली दूध और खोए की खुशबू अब दुनिया तक पहुंचने की तैयारी में है। मंदिरों की आस्था, श्रद्धालुओं की यादों और मथुरा की पहचान से जुड़ा प्रसिद्ध पेड़ा अब केवल प्रसाद या पारंपरिक मिठाई भर नहीं रहेगा, बल्कि उसे वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन क्यूजीन' योजना को मंजूरी दे दी है, इसमें मथुरा के प्रसिद्ध पेड़े को भी शामिल किया गया है।

यह योजना 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' मॉडल की तर्ज पर शुरू की गई है। इसकी औपचारिक घोषणा उत्तर प्रदेश दिवस 2026 के दौरान की गई थी, जबकि हाल ही में कैबिनेट स्तर पर इसे मंजूरी मिलने के बाद जिलेवार पारंपरिक व्यंजनों की सूची को अंतिम रूप दिया गया। योजना के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों के करीब 208 पारंपरिक व्यंजनों को ब्रांडिंग, पैकेजिंग, गुणवत्ता सुधार, डिजिटल मार्केटिंग, पर्यटन और निर्यात से जोड़ने की तैयारी की गई है। मथुरा में हर साल लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं और उनमें से बड़ी संख्या अपने साथ मथुरा पेड़ा जरूर ले जाने वालों की होती है। यही वजह है कि पेड़ा अब केवल स्वाद नहीं, बल्कि ब्रज संस्कृति, धार्मिक आस्था और स्थानीय पहचान का प्रतीक बन चुका है।

अब सरकार इसे संगठित बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। योजना के तहत पारंपरिक उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने, आधुनिक पैकेजिंग विकसित करने और उन्हें बड़े बाजारों तक पहुंचाने पर फोकस किया जाएगा।

खाद्य इकाइयों को 25 प्रतिशत तक सब्सिडी

यूनिक समय, मथुरा। योजना में उद्यमियों और स्थानीय इकाइयों को वित्तीय सहायता देने का भी प्रावधान रखा गया है। जानकारी के अनुसार खाद्य इकाइयों को 25 प्रतिशत तक सब्सिडी, अधिकतम 20 लाख रुपये तक सहायता और आधुनिक प्रोसेसिंग सुविधाओं से जोड़ने की व्यवस्था प्रस्तावित है। इससे मथुरा के स्थानीय मिठाई कारोबार, दुग्ध उद्योग और छोटे व्यापारियों को नई आर्थिक ताकत मिलने की उम्मीद है।

पेड़े को वैश्विक मंच देने की तैयारी, ब्रज का स्वाद बनेगा ग्लोबल ब्रांड

यूनिक समय, मथुरा। यह पहल केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। इसे प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को आर्थिक अवसर में बदलने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। जिस पेड़े को अब तक श्रद्धालु प्रसाद के रूप में घर ले जाते थे, वही अब "ब्रज ब्रांड" बनकर वैश्विक बाजार तक पहुंचने की तैयारी में है। क्योंकि मथुरा का पेड़ा सिर्फ मिठाई नहीं, बल्कि ब्रज की मिट्टी, दूध, परंपरा, श्रद्धा और स्वाद की वह पहचान है, जिसे अब दुनिया तक पहुंचाने की तैयारी शुरू हो चुकी है।

गोकुल में परशुराम शोभायात्रा का तीन दिवसीय आयोजन कल से

यूनिक समय, गोकुल (मथुरा)। ब्राह्मण तीर्थ पुरोहित समिति के तत्वावधान में 10 मई को भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली जायेगी। तीन दिवसीय आयोजन के अंतर्गत आठ मई को नवीन मन्दिर में परशुराम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा प्रारम्भ होगी। नौ मई को अखण्ड रामायण पाठ, 10 मई को प्रातः हवन, यज्ञ एवं शाम 4 बजे से ब्रजमण्डल से पहुंचे वरिष्ठ विप्रो का सम्मान, संगोष्ठी तथा सायं छह बजे से नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी।

जीएलए पॉलिटेक्निक मैकेनिकल के 28 छात्रों का न्यू डायनामिक में चयन

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के पॉलिटेक्निक संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के 28 छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए डायनामिक ट्रांसमिशन समूह की प्रतिष्ठित कंपनी टाइटवेल फास्टनर्स एवं न्यू डायनामिक कंपनी में आकर्षक पैकेज पर चयन हासिल किया है। यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह दर्शाती है कि जीएलए के छात्र तकनीकी दक्षता और व्यावहारिक ज्ञान के मामले में उद्योग की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरे उतर रहे हैं। चयन प्रक्रिया को कंपनी द्वारा कई चरणों में आयोजित किया गया, जिसमें प्रारंभिक स्क्रीनिंग टेस्ट, तकनीकी लिखित परीक्षा एवं पर्सनल इंटरव्यू शामिल थे। छात्रों ने प्रत्येक चरण में अपने विषय ज्ञान, समस्या समाधान क्षमता और आत्मविश्वास का प्रभावी प्रदर्शन किया। विशेष रूप से तकनीकी राउंड में छात्रों ने मशीन डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और इंडस्ट्रियल एप्लिकेशन से जुड़े प्रश्नों का सटीक उत्तर देकर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के चयनित छात्र और विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण।

चयनित छात्रों में नेहा, दयाशंकर, अंकित, ललित पांडेय, लव कुमार गौतम, नरेंद्र कुमार, रोहित, विवेक, सोहैल अख्तर, मुकुल चौधरी, आशीष, आनंद राजपूत, अवधेश तोमर, दीपक, दीपक शर्मा, कपिल, मानवेंद्र सिंह, सचिन शर्मा, कान्हा, शैलेंद्र, मानवेंद्र, कैलाश, दीपक, परशुराम पांडेय, रुपेंद्र कुमार, धर्मवीर सिंह, दिव्यांश जादौन एवं हर्षित दीक्षित शामिल हैं। इन सभी छात्रों ने कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी योग्यता साबित करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। छात्र कपिल ने अपनी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान में उपलब्ध अत्याधुनिक लैब्स, अनुभवी फैकल्टी और नियमित प्रैक्टिकल प्रशिक्षण ने उन्हें इंडस्ट्री के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा कि मॉक इंटरव्यू और तकनीकी सेशन ने आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं छात्र अंकित ने बताया कि जीएलए में मिले इंडस्ट्री ओरिएंटेड मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल की निरंतर सहायता के कारण ही वह इस मुकाम तक पहुंच पाए हैं। उन्होंने कहा कि यहां का शिक्षण वातावरण छात्रों को न केवल पढ़ाई में बल्कि व्यक्तित्व विकास में भी आगे बढ़ाता है।

संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. विकास कुमार शर्मा ने सभी चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत, अनुशासन और संस्थान की गुणवत्ता शिक्षा का परिणाम है। उन्होंने बताया कि पॉलिटेक्निक संस्थान में छात्रों को शुरुआत से ही इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया जाता है, जिससे वे रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान आने वाले समय में और अधिक कंपनियों को आमंत्रित कर छात्रों के लिए नए अवसर सृजित करेगा। जीएलए विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के एसोसिएट जनरल मैनेजर सचिन कुमार चित्तौड़िया ने कहा कि विभाग का मुख्य उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट दिलाना है। इसके लिए विभाग निरंतर विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित करता है। उन्होंने बताया कि समय समय पर कंपनी के अधिकारियों द्वारा भी छात्रों के लिए नियमित रूप से ट्रेनिंग प्रोग्राम, सॉफ्ट स्किल सेशन, टेक्निकल वर्कशॉप और इंडस्ट्री इंटरैक्शन आयोजित किए जाते हैं, जिससे वे हर स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहें।

उन्होंने आगे कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट रिकॉर्ड लगातार बेहतर होता जा रहा है और आने वाले समय में और भी बड़ी कंपनियां कैंपस में आएंगी। यह चयन न केवल छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और इंडस्ट्री कनेक्ट का भी प्रमाण है।

मंत्री रजनी तिवारी ने वृंदावन में की समीक्षा बैठक

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री ने परीक्षा व्यवस्था पर कसा शिकंजा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन (मथुरा)। टीएफसी के कॉन्फ्रेंस हॉल में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत आयोजित परीक्षा एवं आगामी उच्च शिक्षा सत्र 2026–27 को लेकर समीक्षा बैठक की।

बैठक में विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रोफेसरों ने सहभागिता की। मंत्री ने नकलविहीन एवं पारदर्शी परीक्षा आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सभी महाविद्यालयों को पूर्ण सतर्कता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने महाविद्यालयों में छात्र–छात्राओं को उपलब्ध कराई जाने वाली मूलभूत सुविधाओं पर विशेष बल दिया। उन्होंने "नारी वंदन अभियान" के अंतर्गत छात्राओं से जुड़े प्रमुख विषयों पर चर्चा करते हुए प्रत्येक उच्च शिक्षा परिसर में स्वच्छ शौचालय, सुव्यवस्थित कॉमन रूम तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन के सहयोग को अनिवार्य बताया। बैठक में बीएसए कालेज के प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा, राजकीय महाविद्यालय वृंदावन के प्राचार्य डॉ. विनय चौधरी, डॉ. गोविंद चावला, डॉ. सुरेश चौधरी, डॉ. एसके राय, डॉ रवीश शर्मा, डॉ. वीपी राय, डॉ. बीके गोस्वामी, फतेह कृष्ण, डॉ. यूके त्रिपाठी, शाहरुख उस्मानी एवं अमित कुमार आदि शिक्षाविद् उपस्थित थे।

टीएफसी में शिक्षाविदों के साथ बैठक करती उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी।

एनईपी परीक्षाओं एवं नए शैक्षिक सत्र को लेकर दिए निर्देश

टीबी मुक्त अभियान में 50 मरीजों को वितरित की पोषण किट

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में चल रहे 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला रेडक्रॉस सोसाइटी ने जिला क्षय रोग केंद्र पर 50 टीबी मरीजों को पौष्टिक सामग्री वितरित की। कार्यक्रम में मरीजों को नियमित दवा, पौष्टिक आहार और उपचार बीच में न छोड़ने के लिए जागरूक किया गया। यह जानकारी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने दी है।

उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में जनभागीदारी की अहम भूमिका है। उन्होंने लोगों से "निक्षय मित्र" बनकर टीबी मरीजों की पोषण सहायता और सामाजिक सहयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि सरकार इलाज के साथ मरीजों के पोषण पर भी विशेष ध्यान दे रही है।

कार्यक्रम में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के वृषभान गोस्वामी, अमृत लाल खंडेलवाल, श्याम खंडेलवाल, डॉ. विनीता गुप्ता, रवि खंडेलवाल और राज खंडेलवाल मौजूद रहे। वहीं जिला क्षय रोग केंद्र से सोनू गोयल, अखिलेश दीक्षित, बिहारी लाल, निश्चल कुमार, योगेश और मुकेश सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

ठाकुर श्री केशव देव मंदिर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगा

स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच करते सर्वोदय हेल्थकेयर के डॉक्टर।

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज में निःशुल्क सामान्य रोग परामर्श सेवक का आयोजन सर्वोदय हेल्थकेयर डॉक्टरों द्वारा किया गया। जिसमें 347 मरीजों ने अपना चेकअप कराया इसे पूर्व भगवान का फूल बंगला सजाया गया। प्रबंध कमेटी, सेवायतों और श्री कृष्णा सामूहिक संगठन मंडल के सदस्यों द्वारा डॉक्टर मरीजों वह स्वागत स्वल्पाहार के साथ किया गया। व्यवस्था में प्रमुख रूप से दीपक शर्मा, बृजनंदन शर्मा, महेश गोयल, योगेंद्र अग्रवाल, जगदीश सरण गोस्वामी, बिहारी लाल गोस्वामी, मुकुटमानी शर्मा, जगदीश गोस्वामी, कृष्ण गोपाल शर्मा, सुरेश अग्रवाल, दिलीप पांडे सहित आदि लोग मौजद रहे।

हर मां को छात्र–छात्राओं के चरित्र पर जोर देने का आह्वान

यूनिक समय, वृंदावन। रुकमणि विहार स्थित श्याम सुंदर धनुका सरस्वती विद्या मंदिर में मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर के प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों की माताओं ने अपने–अपने बच्चों के साथ सहभागिता कर माता और संतान के संबंधों को और मजबूत बनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में माताओं ने अपने बच्चों के साथ गाना, डांस, नृत्य नाटिका, लघु नाटिका, भजन तथा भाषण आदि दिया। मुख्य अतिथि राष्ट्र सेविका समिति की प्रांतीय व्यवस्था प्रमुख रेखा महेश्वरी ने माता को छात्र–छात्राओं के चरित्र पर जोर देने का आह्वान किया।

आरआईएस के छात्र अभराज अग्रवाल की मेधा का फहरा परचम

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल के छात्र अभराज अग्रवाल ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की बी प्लानिंग परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मेधा का परचम फहराया है। अभराज अग्रवाल को एनटीए की बी प्लानिंग परीक्षा में 99.77 अंकों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर 90वीं रैंक मिली है। अभराज की यह ऐतिहासिक सफलता सिर्फ आरआईएस के लिए ही नहीं समूचे ब्रज क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

प्राचार्या प्रिया मदान ने बताया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में राजीव इंटरनेशनल स्कूल के मेधावी छात्र अभराज अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अभराज अग्रवाल को 99.77 फीसदी अंक तथा राष्ट्रीय स्तर पर 90वीं रैंक मिली है। प्राचार्या मदान ने कहा कि मेधावी अभराज अग्रवाल की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से विद्यालय परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि अभराज अग्रवाल ने अपनी लगन और मेहनत से साबित किया कि राजीव इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी हर क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता रखते हैं।

प्राचार्या प्रिया मदान ने कहा कि छात्र अभराज अग्रवाल की यह अभूतपूर्व सफलता उसके अथक परिश्रम, लगन, विषय पर मजबूत पकड़ और योजना कौशल को दर्शाती है। प्राचार्या मदान ने विद्यार्थी तथा उसके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आरआईएस के विद्यार्थी इसी तरह निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर होते रहेंगे। छात्र अभराज अग्रवाल ने अपनी इस सफलता का श्रेय माता–पिता के प्रोत्साहन तथा राजीव इंटरनेशनल स्कूल के कुशल मार्गदर्शन को देते हुए कहा कि यह तो अभी शुरुआत है।

छात्र अभराज की शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए राजीव इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों को कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी होती है, इसलिए निरंतर अध्ययन, अनुशासन, समय प्रबंधन और लक्ष्य के प्रति स्पष्टता अत्यंत आवश्यक है।

श्री अग्रवाल ने अन्य छात्र–छात्राओं को सलाह दी कि वे भी मेधावी अभराज अग्रवाल की उपलब्धि को प्रेरणा बनाकर ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें तथा अपने ज्ञान और कौशल का निरंतर विकास करते रहें। श्री अग्रवाल ने कहा कि नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता का मूलमंत्र है, अतः प्रत्येक विद्यार्थी सफलता के लिए कड़ी मेहनत करे तथा अपने सपनों को साकार करे।

एनटीए परीक्षा में परचम फहराने वाला छात्र अभराज अग्रवाल।

एनटीए परीक्षा में 99.77 अंकों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर मिली 90वीं रैंक

कॉमर्शियल सिलेंडर की महंगाई पर फूटा व्यापारियों का गुस्सा

यूनिक समय, मथुरा। कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की बढ़ी कीमतों के विरोध में मथुरा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के बैनर तले व्यापारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रांतीय अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के आह्वान पर जिलाध्यक्ष अभिषेक कुमार पिंटू भईया के नेतृत्व में व्यापारियों ने रंगेश्वर मार्केट स्थित कैंप कार्यालय से होली गेट तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान व्यापारियों ने महंगाई के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। इसके बाद व्यापारी कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में एसडीएम चंद्रभूषण सिंह को राष्ट्रपति के नाम संबोधित नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। एसडीएम ने मांगपत्र को संबंधित स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष अभिषेक कुमार पिंटू भईया ने कहा कि कॉमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से होटल, ढाबा और खानपान व्यवसाय से जुड़े छोटे व्यापारियों पर गंभीर असर पड़ रहा है। खाद्य पदार्थों की लागत बढ़ने से बाजार में मंदी का माहौल बन गया है। उन्होंने सिलेंडरों पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की मांग उठाई। जिला महामंत्री बबलू सैनी ने कहा कि प्रदेशभर में व्यापारी संगठन महंगाई के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं और सरकार से राहत की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन में भगवती चतुर्वेदी, सोनू अग्रवाल, पवन चौधरी लाला, नितिन कुमार, रजत सैनी, संजू सैनी, विक्की ठाकुर, गोपाल राजपूत, पीयूष कुमार, सक्षम कुमार, अज्जू सैनी, उदित गोयल और पप्पू पंडित सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

चाय पीते समय ये गलतियां पड़ सकती हैं सेहत पर भारी

यूनिक समय, मथुरा। चाय में बहुत अधिक चीनी नहीं मिलानी चाहिए। बहुत ज़्यादा चीनी खाने से वज़न बढ़ सकता है, टाइप 2 डायबिटीज़, हृदय रोग और दांतों की समस्याएं होने की संभावना भी रहती है। इतना ही नहीं, इससे आपको चाय के एंटी–ऑक्सीडेंट लाभ भी नहीं मिल पाते हैं। चाय एक ऐसी ड्रिंक है, जिसका सेवन करना बहुत अच्छा माना जाता है। अमूमन लोग दिन की शुरुआत में चाय पीना काफी पसंद करते हैं। इससे उन्हें एनर्जेटिक फील होता है।

यहां तक कि काम की थकान होने पर भी लोग चाय का सेवन करते हैं। अगर लोग हर्बल चाय का सेवन करते हैं तो इससे उनकी सेहत पर भी अच्छा असर पड़ता है।

लेकिन कई बार हम चाय का सेवन गलत तरीके से करते हैं। जिसका भुगतान हमारी सेहत को करना पड़ता है। चाय आपके लिए अच्छी हो सकती है, अगर उसे सही तरह से पिया जाए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको चाय के सेवन से जुड़ी कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव डाल सकती हैं–

बहुत ज़्यादा चीनी मिलाना

चाय में बहुत अधिक चीनी नहीं मिलानी चाहिए। बहुत ज़्यादा चीनी खाने से वज़न बढ़ सकता है, टाइप 2 डायबिटीज़, हृदय रोग और दांतों की समस्याएं होने की संभावना भी रहती है। इतना ही नहीं, इससे आपको चाय के एंटी–ऑक्सीडेंट लाभ भी नहीं मिल पाते हैं। कोशिश करें कि आप चाय में चीनी को सीमित मात्रा में या बिलकुल भी न मिलाएं। साथ ही, शहद या स्टीविया जैसे प्राकृतिक स्वीटनर का इस्तेमाल सीमित मात्रा में करें।

खाली पेट चाय पीना–

खाली पेट चाय पीना सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। खासतौर से, स्ट्रॉन्ग ब्लैक या ग्रीन टी, एसिडिटी और पेट में जलन पैदा कर सकती है। इतना ही नहीं, इससे बाद में खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों से आयरन का अवशोषण सही तरह से नहीं हो पाता। इसलिए, खाने के बाद या हल्के नाश्ते के साथ चाय पिएं।

अत्यधिक मात्रा में सेवन करना

चाय पीना आपको पसंद हो सकता है, लेकिन आपको इसे बहुत अधिक मात्रा में नहीं पीना चाहिए।

इससे उसमें कैफीन की अधिक मात्रा हो सकती है, जिससे आपको अनिद्रा, एंग्जाइटी, हृदय गति में वृद्धि और पाचन संबंधी समस्याएं आदि हो सकती हैं। इससे ऑक्सालेट का अधिक सेवन भी हो सकता है, जो किडनी स्टोन का कारण बन सकता है। इसलिए आप दिनभर में 2–3 कप से अधिक चाय का सेवन ना करें।

बिना ट्रैफिक लाइट वाला देश बना सुकूनभरी यात्रा की पहचान

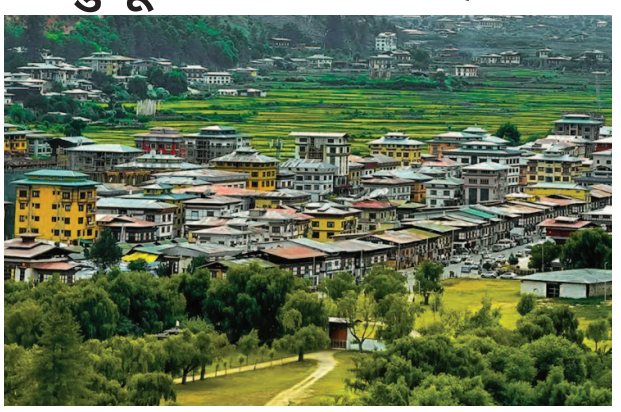

यूनिक समय, मथुरा। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई ऐसी जगह की तलाश में रहता है, जहां कुछ दिन शांति और सुकून के साथ बिताए जा सकें। भीड़, ट्रैफिक और शोरगुल से दूर प्राकृतिक सुंदरता के बीच समय बिताने का अनुभव हर किसी को आकर्षित करता है। ऐसे में हिमालय की गोद में बसा भूटान दुनियाभर के पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बनता जा रहा है। यह देश केवल अपनी खूबसूरती के लिए ही नहीं, बल्कि अनोखे ट्रैफिक सिस्टम के कारण भी चर्चा में रहता है।

भूटान दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जहां ट्रैफिक लाइट्स लगभग नहीं के बराबर हैं। इसके बावजूद यहां ट्रैफिक जाम देखने को नहीं मिलता। इसका सबसे बड़ा कारण यहां के लोगों की अनुशासनप्रिय जीवनशैली और ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता है। सभी वाहन चालक अपनी लेन में गाड़ी चलाते हैं और नियमों का पालन करते हैं, जिससे सड़कों पर व्यवस्था बनी रहती है। चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस जरूर तैनात रहती है, लेकिन ट्रैफिक लाइट्स की आवश्यकता महसूस नहीं होती।

भूटान प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर देश है। यहां की शांत वादियां, बर्फ से ढके पहाड़, हरियाली और स्वच्छ वातावरण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। पारो का प्रसिद्ध टाइगर नेस्ट मठ, थिम्पू का बुद्ध डोरडेंमा, पुनाखा जोंग और दोचुला पास जैसी जगहें पर्यटकों की पसंदीदा डेस्टिनेशन मानी जाती हैं। यहां का वातावरण इतना शांत और सकारात्मक होता है कि लोग खुद को मानसिक रूप से तरोताजा महसूस करते हैं।

प्रकृति प्रेमियों के साथ–साथ एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए भी भूटान खास है। ट्रैकिंग और पहाड़ी यात्राओं का रोमांच यहां आने वाले पर्यटकों को अलग अनुभव देता है। इसके अलावा भूटान की संस्कृति, परंपराएं और सादगी भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

अगर आप भी कुछ समय के लिए ट्रैफिक, तनाव और शोर से दूर रहना चाहते हैं, तो भूटान आपके लिए एक बेहतरीन यात्रा स्थल साबित हो सकता है।

इन फूड्स से तेजी से और आसानी से वजन घटाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आप वजन कम करना चाहते हैं लेकिन, एक्सरसाइज और फास्टिंग नहीं करना चाहते। ऐसे में आपको सिर्फ अपनी डाइट पर फोकस करना चाहिए और फाइबर व प्रोटीन से भरपूर फूड्स का सेवन करना चाहिए। दरअसल, फाइबर और प्रोटीन से भरपूर फूड्स ही आपके शरीर में कई फंक्शन को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। ये न सिर्फ हार्मोनल हेल्थ को बेहतर बनाते हैं बल्कि, फाइबर शरीर के मेटाबोलिक रेट को भी तेज करता है और पाचन गतिविधियों को बेहतर बनाता है। तो, आइए जानते हैं उन फूड्स के बारे में जो वजन घटाने में तेजी से मदद कर सकते हैं।

स्प्राउट्स का सलाद : मोटापा कम करने के लिए आप सुबह नाश्ते में कई प्रकार की चीजों को सेवन कर सकते हैं लेकिन, बिना समय लगाए और चूल्हे पर चढ़ाए आपको कोई चीज खानी है तो स्प्राउट्स आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसे बनाने के लिए आपको बस अंकुरित मूंग, मेथी, चना और मूंगफली लेना है और फिर इसमें टमाटर व प्याज काटकर मिलाना है। इसके बाद ऊपर से काला नमक, हरी मिर्च और फिर हल्का सा नमक और मिला लें। फिर इस स्प्राउट्स सलाद को वेट लॉस के लिए खाएं।

छाछ : छाछ पीना वेट लॉस तेजी से मदद कर सकता है। छाछ में काला नमक मिलाकर पीना आपके मेटाबोलिज्म को तेज करता है और फिर फैट पचाने की गति को बढ़ावा देता है। इसके अलावा ये आपके बॉवेल मूवमेंट को भी तेज करता है और मल के साथ फैट के कणों को चिपकाकर बाहर निकालने में मदद करता है। इस प्रकार से छाछ का सेवन तेजी से वेट लॉस में मदद कर सकता है।

पपीता चिया सीड्स शेक : पपीता चिया सीड्स शेक का सेवन आपके पेट की मेटाबोलित गतिविधियों को तेज करता है और फिर आपके पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। पपीपा जहां डाइजेस्टिव एंजाइम्स को बढ़ावा देता है वहीं चिया सीड्स आपकी पाचन गतिविधियों में तेजी लाता है। इस प्रकार से ये दोनों मिलकर आपको वेट लॉस में मदद करता है। तो आप बिना समय लगाए वेट लॉस के लिए तेजी से इन फूड्स का सेवन कर सकते हैं।

सही स्टाइलिंग से छोटी हाइट भी दिखती है लंबी आकर्षक

वर्षा, फैशन डिजाइनर

यूनिक समय, मथुरा। क्या आपने कभी कोई ड्रेस किसी मॉडल या किसी एक्ट्रेस को देखकर सिलवाई या खरीदी है। पर जब आप उसे पहनती हैं तो वो उतनी नहीं जचती जितनी उस पर खिल रही थी। इसकी वजह है कि आपकी लंबाई। दरअसल कई बार दूसरों पर सुंदर लगने वाली ड्रेस खरीद लेते हैं, लेकिन कम हाइट की वजह से वो ड्रेस आप पर जचती नहीं है। लेकिन अगर आप कुछ स्टाइलिंग टिप्स का ध्यान रखेंगी तो आप अपने ड्रेस में पहले से लंबी नजर आएंगी। आजकल कई तरह के लोअर्स के डिजाइन आपको देखने को मिलते हैं, जैसे शरारा, गरारा, प्लाजो, पेंट्स वगैरह–वगैरह, लेकिन अगर आप अपने कुर्ते के साथ गलत लोअर पहनते हैं तो भी आपकी हाइट कम लगने लगती है। आइए आपको बताते हैं कि आपको कौन से लोअर्स चुनने

चाहिए, जो आपकी हाइट को कई गुना बढ़ा देंगे।

आज हम आपको इंडियन वीयर के साथ कैसे लोअर्स पहनने चाहिए उसके बारे में बता रहे हैं, ताकि आपकी हाइट ज्यादा नजर आए। एक्सपर्ट्स की मानें तो आप के कुर्ते की लेंथ का आपकी हाइट पर ज्यादा असर नहीं पड़ता है। ये सीधा–सीधा आपके लोअर्स से कनेक्टेड होता है। सबसे पहले ध्यान रखें कि एक ही कलर का पूरा ड्रेस पहनें। इससे व्युजली ये प्रभाव बनता है कि आप लंबे हैं। लेकिन वहीं जब आप अलग कलर का कुर्ता और लोअर पहने हैं तो जहां कलर खत्म होता है, वहां एक विजन ब्रेक होता है, इसलिए कोशिश करें कि आपके टॉप और लोअर का कलर एक ही हो।

अब हमेशा ही एक ही तरह के कलर भी नहीं पहने जा सकते। मोनोटोन पहन–पहन कर भी आप बोर हो सकते हैं, तो ऐसे में आप ओम्ब्रे इफेक्ट वाले कपड़े पहन सकते हैं, यानी जब आप किसी डार्क कलर का उसी के लाइट कलर के साथ मिक्स ऐंड मैच करते हैं तो उसे ओम्ब्रे इफेक्ट कहते हैं। कई बार आप एक ही कलर का आउटफिट पहने हैं, लेकिन उसमें भी गड़बड़ हो जाती है। ऐसे ड्रेसेस में हम बड़े–बड़े चौड़े बॉर्डर ले लेते हैं। कुर्ते के हेमलाइन पर या अनारकली के घेर पर भी इस तरह के बॉर्डर बने होते हैं। ये आपके विजन को ब्रेक करते हैं और इससे आपकी हाइट कम लगने लगती है। आप कोशिश करें तो चौड़े के बजाए पतले बॉर्डर वाले कपड़े कैरी करें।

लोअर्स की बात करें तो अगर आपका कद कम है तो आप कभी भी एंकल लेंथ या उससे ऊपर खत्म होने वाले लोअर न पहनें, क्योंकि आपकी लोअर की हाइट जहां तक होगी, आपकी हाइट भी वहीं तक डिफाइन नजर आएंगी। लेकिन वहीं अगर आप बूटकट लेंथ पहनते हैं या लंबा लोअर चुनते हैं तो ये आपकी हाइट को बड़ा दिखाएगा।

फेब्रिक की बात करें तो अगर आप लोअर बनवा रहे हैं तो थोड़ा सोफ्ट फेब्रिक चुनें। आप सिल्क या रॉसिल्क वाले लोअर न बनवाएं। वहीं आप क्रेप, पोलिस्टर, जॉर्जेट या शिफॉन में फेब्रिक चुनेंगे तो आपकी हाइट ज्यादा दिखाने मदद मिलेगी। लोअर में 2 चीजों का ध्यान रखें कि एक तो ये आपके कुर्ते के या टॉप के सिमिलर टोन में हो और इस पर ज्यादा चौड़े बॉर्डर न हों।

सुविचार

एक ऐसा दोस्त बनो
जो सुनता हो और
परवाह करता हो।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	12:22-02:03 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा	06:45-09:19 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:39 AM	चन्द्रोदय	12:35 PM
सूर्यास्त		6:52 PM	चंद्रास्त	11:26 AM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त		11:49AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:02-03:50
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:36 AM: 12:15 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

असली रुद्राक्ष की पहचान कैसे करें?

इन तरीकों से पहचानें, आपका रुद्राक्ष असली है या नकली

यूनिक समय, मथुरा। रुद्राक्ष एक अमूल्य मोती है, जिसे धारण करने या प्रयोग करने से व्यक्ति को अचूक फल प्राप्त होते हैं। भगवान शिव का स्वरूप रुद्राक्ष जीवन को सार्थक बनाता है इसे अपनाने से सभी को समृद्ध जीवन की प्राप्ति होती है। रुद्राक्ष की अनेक प्रजातियां और विभिन्न प्रकार उपलब्ध हैं लेकिन सही रुद्राक्ष की पहचान करना एक कठिन कार्य है। जानिए चिराग दारूवाला से असली रुद्राक्ष को कैसे पहचाने।

आजकल बाजार में हर कोई असली रुद्राक्ष उपलब्ध कराने का दावा करता है, लेकिन इस कथन में कितनी सच्चाई है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। लालची लोग रुद्राक्ष पर कई धारियां बनाकर उसे बारह मुखी या इक्कीस मुखी रुद्राक्ष बताकर बेच देते हैं। कभी–कभी दो रुद्राक्षों को जोड़कर एक रुद्राक्ष बना दिया जाता है जैसे गौरी शंकर या त्रिजुटी रुद्राक्ष। इसके अलावा इन्हें भारी बनाने के लिए इनमें सीसा या पारा भी मिलाया जाता है और कुछ रुद्राक्षों में सांप, त्रिशूल जैसी आकृतियां भी बनी होती हैं।

रुद्राक्ष की पहचान को लेकर कई भ्रांतियां हैं। जिसके कारण आम आदमी असली रुद्राक्ष की सही पहचान नहीं

कर पाता और खुद को असाध्य पाता है। असली रुद्राक्ष की जानकारी न होना और पूजा–पाठ व साधना में असली रुद्राक्ष न होना पूजा और उसके प्रभाव को निरर्थक बना देता है। इसलिए जरूरी है कि पूजा के लिए रुद्राक्ष असली हो। रुद्राक्ष के समान एक और फल होता है जिसे भद्राक्ष कहते हैं और यह रुद्राक्ष जैसा ही दिखता है। भद्राक्ष देखने में रुद्राक्ष जैसा होता है लेकिन इसमें रुद्राक्ष जैसे गुण नहीं होते।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

ऐसे करें पहचान: रुद्राक्ष की पहचान करने के लिए इसे कुछ घंटों के लिए पानी में उबालें। अगर रुद्राक्ष का रंग न निकले या उस पर कोई असर न हो तो वह असली होगा। अगर रुद्राक्ष को काटने पर उसके अंदर भी उतने ही घेरे दिखें जितने बाहर हैं, तो वह असली रुद्राक्ष होगा। यह परीक्षण सही माना जाता है लेकिन इसका नकारात्मक पहलू यह है कि रुद्राक्ष नष्ट हो जाता है। रुद्राक्ष की पहचान करने के लिए उसे किसी नुकीली चीज से खुरचें। अगर उसमें से रेशे निकल आएं तो समझ लें कि रुद्राक्ष असली है। दो असली रुद्राक्षों की ऊपरी सतह यानी पठार एक जैसा नहीं होता, लेकिन नकली रुद्राक्ष का पठार एक जैसा होता है। रुद्राक्ष को पानी में डालें। अगर वह डूब जाए तो वह असली होगा। अगर नहीं डूबे तो वह नकली है। लेकिन यह परीक्षण उपयोगी नहीं माना जाता, क्योंकि रुद्राक्ष के डूबने या तैरने की क्षमता उसके घनत्व और उसके कच्चे या पके होने पर निर्भर करती है। धातु या किसी अन्य भारी पदार्थ से बना रुद्राक्ष भी पानी में डूब जाता है। एक तरीका यह भी है कि दो तांबे के सिक्कों के बीच रुद्राक्ष की माला रखें यह थोड़ा हिलता है। अगर आप एक मुखी रुद्राक्ष को ध्यान से देखेंगे तो आपको इस पर त्रिशूल या आंख का निशान दिखाई देगा। अगर रुद्राक्ष की माला को लंबे समय तक तेज धूप में रखा जाए और रुद्राक्ष में दरार या टूटन न आए तो इसे असली माना जाता है।

रुद्राक्ष खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

- रुद्राक्ष में कीड़े न लगे हों
- रुद्राक्ष कहीं से भी टूटा हुआ न हो
- रुद्राक्ष बिल्कुल गोल न हो
- जो रुद्राक्ष छेद करते हुए फट जाए आदि।
- रुद्राक्ष पहनने के फायदे
- रुद्राक्ष धारण करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।
- रुद्राक्ष पहनने से करियर और कारोबार में भी आपको सफलता मिलती है
- रुद्राक्ष पहनने से भाग्य का साथ मिलता है।
- रुद्राक्ष धारण करने से मानसिक शांति मिलती है।
- रुद्राक्ष पहनने से कई तरह के रोग दूर रहते हैं।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

आज ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति कई राशियों के लिए नए अवसर और आत्ममंथन के संकेत दे रही है। कुछ राशियों को करियर में नई दिशा मिलेगी, तो कुछ को रिश्तों और निजी जीवन में संतुलन बनाने की जरूरत महसूस होगी। चंद्रदेव का विभिन्न भावों में गोचर लोगों के जीवन में अलग–अलग प्रभाव डालने वाला है।

मेष राशि के जातकों को आज अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनने की सलाह दी गई है। भाग्य का साथ मिलेगा और उच्च शिक्षा या आध्यात्मिक विषयों में रुचि बढ़ सकती है।

वृषभ राशि वालों के लिए दिन भावनात्मक गहराई और आत्मविश्लेषण का रहेगा। पुराने मुद्दों को सुलझाने और वित्तीय मामलों पर ध्यान देने से लाभ मिल सकता है।

मिथुन राशि के लोगों को साझेदारी और रिश्तों में संतुलन बनाए रखने की जरूरत होगी। सहयोग से सफलता मिलने के संकेत हैं।

कर्क राशि के जातकों के लिए स्वास्थ्य और दिनचर्या प्राथमिकता में रहेंगे। रुके हुए कार्य पूरे करने और नई फिटनेस शुरुआत के लिए समय अनुकूल माना गया है।

सिंह राशि वालों के लिए दिन रचनात्मकता और आत्मविश्वास से भरा रहेगा। अपनी प्रतिभा दिखाने और प्रियजनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कन्या राशि के जातकों का ध्यान घर–परिवार और निजी सुख–सुविधाओं की ओर रहेगा। पारिवारिक माहौल में शांति और सामंजस्य बना रहेगा।

तुला राशि वालों के लिए संवाद और नेटवर्किंग फायदेमंद साबित हो सकती है।

वृश्चिक राशि को अपने आत्मसम्मान और आर्थिक स्थिरता पर ध्यान देने की सलाह दी गई है।

धनु राशि के जातकों को नए प्रोजेक्ट और व्यक्तिगत विकास के अवसर मिल सकते हैं।

मकर राशि के लोगों को मानसिक शांति और आध्यात्मिक चिंतन पर ध्यान देना चाहिए।

कुंभ राशि के लिए सामाजिक संपर्क और सामूहिक कार्य लाभदायक रहेंगे।

मीन राशि के जातकों को करियर और सामाजिक प्रतिष्ठा में सफलता मिलने के संकेत हैं।

पूजा में काले वस्त्रों से परहेज के पीछे क्या है मान्यता

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय परंपरा में पूजा–पाठ के दौरान पहनावे और रंगों का विशेष महत्व माना गया है। अक्सर लोगों के मन में सवाल उठता है कि जब काला रंग ऊर्जा को अवशोषित करता है, तो मंदिर या पूजा में इसे पहनने से परहेज क्यों किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं और भारतीय दर्शन के अनुसार इसका संबंध ऊर्जा, मानसिक प्रभाव और सात्त्विक वातावरण से जुड़ा माना जाता है। मान्यता है कि काला रंग हर प्रकार की ऊर्जा को अपने भीतर समाहित कर लेता है, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक। पूजा–स्थलों में मंत्र, धूप, दीप और ध्यान से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। ऐसे में माना जाता है कि काला रंग इस ऊर्जा के संतुलित प्रवाह में बाधा उत्पन्न कर सकता है। इसी कारण पूजा के समय सफेद, पीला और केसरिया जैसे हल्के व सात्विक रंगों को प्राथमिकता दी जाती है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी काला रंग गंभीरता और भारीपन का प्रतीक माना जाता है, जबकि पूजा के दौरान मन का शांत और एकाग्र होना आवश्यक समझा जाता है। भारतीय दर्शन के त्रिगुण सिद्धांत में काले रंग को तमस से जोड़ा गया है, जबकि पूजा को सात्विक कर्म माना जाता है।

हालांकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार काला पहनना कोई पाप नहीं माना गया है। यह केवल परंपरा और आध्यात्मिक वातावरण बनाए रखने से जुड़ी आस्था है। पूजा में मुख्य महत्व व्यक्ति की श्रद्धा और भावनाओं का ही माना जाता है।

कुंडली देखकर ऐसे पता कर सकते हैं जन्म दिन में हुआ है या रात में

यूनिक समय, मथुरा। कुंडली को केवल देखकर ही आप जान सकते हैं कि व्यक्ति का जन्म किस समय हुआ होगा। ये जानने के लिए किन बातों पर आपको गौर करना है, आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। दोस्तों जन्म कुंडली देखकर आप किसी के भूत और भविष्य के बारे में तो बता ही सकते हैं, साथ ही आप ये भी जान सकते हैं कि व्यक्ति का जन्म किस समय हुआ होगा। जन्म का समय जानने के लिए बस आपको कुछ बिंदुओं को याद रखना होगा। आइए विस्तार से जानते हैं कि, बस कुंडली देखते ही आप कैसे जान सकते हैं कि व्यक्ति का जन्म दिन में हुआ है या रात में। जन्म दिन में हुआ है या रात में ऐसे जानें जन्म के समय को जानने के लिए कुंडली में सूर्य की स्थिति को देखा जाता है। सूर्य दिन के अलग–अलग समय पर अलग–अलग स्थान या भाव में होता है। आपको बता दें कि कुंडली में 12 भाव होते हैं और

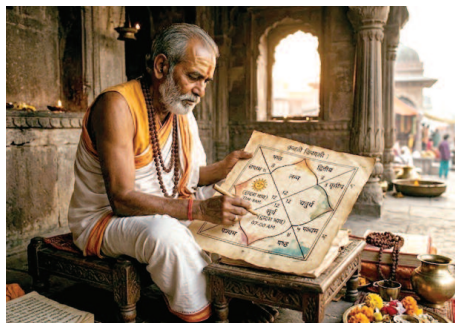

दिन के अलग–अलग समय पर सूर्य की स्थिति भी इन भावों में बदलती रहती है।

जैसे सुबह के समय अगर प्रथम भाव में सूर्य है तो रात के समय पांचवें, छठे या सातवें भाव में हो सकता है। सूर्य की स्थिति को देखकर ही जन्म के समय की जानकारी मिल जाती है। अगर किसी व्यक्ति का जन्म रात्रि के समय 11 से 1 बजे के बीच हुआ हो तो सूर्य चतुर्थ भाव में होगा। किसी के तीसरे भाव में यदि सूर्य है तो जन्म का समय होगा रात्रि के 1 से 3 बजे के बीच। सूर्योदय से पहले यानि 3 से 5 बजे के बीच अगर व्यक्ति का जन्म हुआ हो तो सूर्य दूसरे भाव में होगा। सुबह के समय यानि 5 से 7 के बीच अगर किसी का जन्म होता है तो सूर्य देव लग्न भाव में स्थित होते हैं। 7 बजे से लेकर 9 बजे के बीच जिन लोगों का जन्म होता है, उनकी कुंडली के द्वादश भाव में सूर्य विराजमान होता है। सूर्य अगर एकादश भाव में है तो समझ जाइए व्यक्ति का जन्म 9 से 11 बजे के बीच हुआ होगा। सुबह 11 से दिन के 1 बजे के बीच जिनका जन्म होता है।

उनके एकादश भाव में सूर्य ग्रह विराजमान होते हैं। अगर आपका जन्म 1 से 3 बजे के बीच हुआ है तो सूर्य ग्रह नवम भाव में स्थित होंगे। दोपहर 3 बजे से लेकर शाम के 5 बजे के बीच अगर जन्म हुआ है तो सूर्य अष्टम भाव में विराजमान रहेंगे। शाम 5 से 7 के बीच अगर कोई जन्मा है तो सूर्य ग्रह सातवें भाव में आपको दिखेंगे। अगर 7 से 9 बजे के बीच का जन्म है तो सूर्य ग्रह छठे भाव में होंगे। रात्रि में 9 से 11 के बीच जिनका जन्म होता है उनका सर्य पंचम भाव में होता है। इन बिंदुओं को अगर आप याद कर लें तो आसानी से किसी के भी जन्म का समय बता सकते हैं। जन्म के समय के अनुसार ही सूर्य ग्रह की स्थिति होती है। साथ ही ज्योतिष में यह भी माना जाता है कि सूर्य की स्थिति का व्यक्ति के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अगर कुंडली में सूर्य की स्थिति अच्छी होती है तो व्यक्ति को राजकीय सम्मान मिलता है, ऐसे लोगों में आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं होती और जीवन में ये उंचाइयों को छूते हैं।

सम्पादकीय

ग्लासविंग से बदलता साइबर सुरक्षा का भविष्य

आज का डिजिटल युग केवल तकनीक का विस्तार नहीं, बल्कि एक ऐसा युद्धक्षेत्र बन चुका है जहाँ डेटा, नेटवर्क और एआई सिस्टम नए हथियार के रूप में सामने आ रहे हैं। इसी संदर्भ में "प्रोजेक्ट ग्लासविंग" और इसके तहत विकसित एआई मॉडल "क्लॉड मिथोस" साइबर सुरक्षा की दुनिया में एक नए युग की शुरुआत का संकेत देते हैं। यह परियोजना जितनी शक्तिशाली है, उतनी ही संवेदनशील भी, क्योंकि इसकी क्षमता डिजिटल सिस्टम की गहराई तक जाकर कमजोरियों को पहचानने और विश्लेषण करने की है। साइबर सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती "जीरो–डे वल्नेरेबिलिटी" होती है–ऐसी खामियाँ जिनके बारे में डेवलपर्स को भी जानकारी नहीं होती। इन्हीं अज्ञात कमजोरियों का फायदा उठाकर साइबर हमलावर बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचा सकते हैं। क्लॉड मिथोस जैसे एआई मॉडल इन कमजोरियों को तेज गति से पहचानने की क्षमता रखते हैं, जिससे सुरक्षा विशेषज्ञों को पहले ही खतरे का अंदाजा लगाकर उसे रोकने का अवसर मिलता है। यह तकनीक सुरक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है, लेकिन इसके साथ जोखिम भी उतने ही बड़े हैं। यदि ऐसी शक्तिशाली तकनीक गलत हाथों में चली जाए, तो यह साइबर हमलों को पहले से कहीं अधिक खतरनाक और जटिल बना सकती है। यही कारण है कि इसे सीमित उपयोग और नियंत्रित वातावरण में रखा गया है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी बड़ी तकनीकी कंपनियों तक इसकी सीमित पहुंच यह दिखाती है कि वैश्विक स्तर पर साइबर सुरक्षा अब कुछ चुनिंदा शक्तियों के हाथों में केंद्रित होती जा रही है। यह स्थिति एक नई डिजिटल असमानता को भी जन्म देती है। जहां एक ओर बड़ी कंपनियाँ उन्नत सुरक्षा तकनीकों का लाभ उठा रही हैं, वहीं छोटे देश और संगठन इस दौड़ में पीछे रह सकते हैं। इससे वैश्विक साइबर शक्ति संतुलन प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। भारत जैसे विकासशील डिजिटल राष्ट्र के लिए यह स्थिति और भी महत्वपूर्ण है। तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, ऑनलाइन सेवाओं पर निर्भरता और बढ़ते साइबर खतरे देश के लिए नई चुनौतियाँ लेकर आए हैं। ऐसे में एआई आधारित सुरक्षा तकनीकों में निवेश, स्वदेशी अनुसंधान और कुशल मानव संसाधन का विकास अत्यंत आवश्यक हो जाता है। साइबर सुरक्षा अब केवल तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा बन चुकी है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, साझा सुरक्षा मानक और संयुक्त अनुसंधान ही भविष्य के साइबर खतरों से निपटने का रास्ता हो सकते हैं। अंततः "प्रोजेक्ट ग्लासविंग" हमें यह संदेश देता है कि तकनीक जितनी शक्तिशाली होती जा रही है, उतनी ही जिम्मेदारी से उसका उपयोग आवश्यक है। साइबर सुरक्षा का भविष्य केवल रक्षा नहीं, बल्कि संतुलन और सहयोग पर आधारित होगा।

पवन गौतम
संपादक

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

चुनाव परिणामों ने बदल दिया सियासी विश्लेषण का नजरिया

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय राजनीति हमेशा से बहुस्तरीय, जटिल और विविध सामाजिक समीकरणों से प्रभावित रही है। लेकिन हाल के वर्षों में चुनावी विमर्श जिस तरह तेजी से धार्मिक और पहचान आधारित खांचों में बंटता दिख रहा है, उसने लोकतांत्रिक बहस को एक नई दिशा भी दी है और कई नई चिंताएँ भी खड़ी की हैं। प्रस्तुत रिपोर्ट जैसे विश्लेषण इस प्रवृत्ति को और मजबूत करते हैं, जहाँ चुनावी परिणामों को "हिंदू बनाम मुस्लिम" या "भाजपा बनाम कांग्रेस" के धार्मिक सरलीकरण के फ्रेम में रखकर देखा जाता है।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि किसी भी लोकतांत्रिक चुनाव को केवल धार्मिक आधार पर समझना न तो वैज्ञानिक विश्लेषण है और न ही सामाजिक वास्तविकता का पूर्ण चित्र। भारत जैसे देश में वोटिंग पैटर्न हमेशा से बहु–कारक रहे हैं–जाति, क्षेत्रीयता, विकास, नेतृत्व की छवि, स्थानीय मुद्दे, संगठनात्मक ताकत और आर्थिक अपेक्षाएँ, ये सभी मिलकर निर्णय को प्रभावित करते हैं। ऐसे में केवल धार्मिक पहचान के आधार पर मतदाता व्यवहार को परिभाषित करना एक अतिसरलीकरण है, जो अक्सर राजनीतिक नैरेटिव को सुविधाजनक बनाने के लिए इस्तेमाल होता है।

प्रस्तुत लेख में जिस तरह "हिंदू मतदाता भाजपा के साथ और मुस्लिम मतदाता कांग्रेस की ओर" जैसे निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलता को कम करके देखने जैसा है। यह सच है कि कुछ क्षेत्रों में मतदान पैटर्न समुदाय–विशेष के झुकाव दिखा सकते हैं, लेकिन इन्हें पूरे देश या व्यापक राजनीतिक प्रवृत्ति के रूप में देखना भ्रामक निष्कर्षों तक ले जा सकता है। भारत के अलग–अलग राज्यों की राजनीतिक संरचना पूरी तरह अलग है। केरल, पश्चिम बंगाल, असम या तमिलनाडु–हर राज्य का सामाजिक ताना–बाना, राजनीतिक इतिहास और पार्टी संरचना अलग है। उदाहरण के लिए केरल में कांग्रेस–नेतृत्व वाला गठबंधन और वामपंथी दलों के बीच प्रतिस्पर्धा दशकों पुरानी है, जो वैचारिक और विकासात्मक मुद्दों पर आधारित रही है। इसे केवल धार्मिक समर्थन के आधार पर परिभाषित करना राजनीतिक वास्तविकता का अपमान होगा। इसी तरह असम की राजनीति में भी नागरिकता, घुसपैठ, पहचान और भाषाई मुद्दे लंबे समय से निर्णायक भूमिका निभाते आए हैं। यहाँ मतदाताओं का व्यवहार किसी एक धार्मिक समूह की एकरूप राजनीतिक पसंद के रूप में नहीं देखा जा सकता। कई बार यह क्षेत्रीय अस्मिता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं से भी जुड़ा होता है।

आज की राजनीति का सबसे बड़ा संकट यही है कि जटिल सामाजिक प्रक्रियाओं को सरल धार्मिक कथाओं में बदल दिया जाता है। यह न केवल मतदाताओं की विविध सोच को कम करके आंकता है, बल्कि राजनीतिक संवाद को भी ध्रुवीकृत करता है। जब मीडिया और राजनीतिक विश्लेषण बार–बार इस तरह के नैरेटिव को दोहराते हैं, तो वह धीरे–धीरे एक "सत्य जैसा प्रतीत होने वाला भ्रम" बन जाता है।

यह भी समझना जरूरी है कि मतदाता केवल अपनी धार्मिक पहचान के आधार पर निर्णय नहीं लेते। भारत में शहरी युवा मतदाता रोजगार, शिक्षा और अवसरों को प्राथमिकता देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, सिंचाई, कीमतें और सरकारी योजनाएँ अधिक महत्वपूर्ण होती हैं। महिलाएँ सुरक्षा और सामाजिक कल्याण योजनाओं को अधिक महत्व देती हैं। ऐसे में किसी भी समुदाय को एक राजनीतिक दल से जोड़ देना वास्तविकता से दूर की बात है। फिर सवाल उठता है कि ऐसे नैरेटिव क्यों बार–बार उभरते हैं? इसका एक कारण राजनीतिक रणनीति है। ध्रुवीकरण की राजनीति कई बार अल्पकालिक लाभ देती है। जब मतदाता पहचान के आधार पर संगठित होते हैं, तो चुनावी गणित सरल हो जाता है। लेकिन इसका दीर्घकालिक प्रभाव लोकतांत्रिक संस्थाओं और सामाजिक सौहार्द पर पड़ता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू मीडिया की भूमिका है। सनसनीखेज शीर्षक और सरल कहानियाँ अधिक ध्यान आकर्षित करती हैं। "हिंदू बनाम मुस्लिम वोटिंग पैटर्न" जैसी अवधारणाएँ पाठकों को तुरंत आकर्षित करती हैं, लेकिन वे जटिल सामाजिक सच्चाइयों को छुपा देती हैं। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि संदर्भ देना भी होता है, जो अक्सर ऐसे विश्लेषणों में गायब हो जाता है।

राजनीतिक दलों पर भी यह जिम्मेदारी आती है कि वे अपने संवाद को समावेशी रखें। जब पार्टियाँ किसी विशेष समुदाय को "स्थायी वोट बैंक" के रूप में देखने लगती हैं, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि हर चुनाव एक नया अवसर होता है, जहाँ मतदाता स्वतंत्र रूप से निर्णय लेते हैं।

इसके साथ ही यह भी सच है कि कुछ क्षेत्रों में सामुदायिक एकजुटता राजनीतिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। लेकिन इसे "स्थायी विभाजन" मान लेना गलत होगा। भारतीय समाज लगातार बदल रहा है। शिक्षा, शहरीकरण और डिजिटल मीडिया ने लोगों की सोच को अधिक बहुआयामी बनाया है। आज का युवा मतदाता पुराने ढाँचों से कहीं अधिक प्रश्न पूछता है और विकल्पों का मूल्यांकन करता है।

यदि हम व्यापक दृष्टि से देखें, तो भारतीय लोकतंत्र किसी एक दिशा में नहीं जा रहा, बल्कि एक जटिल संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। यह संक्रमण कभी ध्रुवीकरण की ओर संकेत करता है, तो कभी विविधता और प्रतिस्पर्धात्मक राजनीति की ओर। ऐसे में किसी एक चुनावी परिणाम को स्थायी प्रवृत्ति मान लेना जल्दबाजी होगी। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि वह विविध मतों को स्थान देता है। यदि राजनीति केवल धार्मिक पहचान पर आधारित हो जाएगी, तो यह लोकतंत्र के बहुलवादी स्वरूप के लिए खतरा होगा। इसलिए आवश्यक है कि राजनीतिक विश्लेषण अधिक संतुलित, तथ्य–आधारित और व्यापक सामाजिक संदर्भों को ध्यान में रखकर किया जाए।

अंततः यह कहना उचित होगा कि भारत की राजनीति को "हिंदू बनाम मुस्लिम" या किसी अन्य सरल विभाजन में सीमित करना न तो विश्लेषणात्मक रूप से सही है और न ही सामाजिक रूप से जिम्मेदार। यह समय है कि हम मतदाता को एक जागरूक नागरिक के रूप में देखें, न कि किसी एक पहचान के प्रतिनिधि के रूप में। लोकतंत्र की असली शक्ति उसकी जटिलता में ही छिपी है–और इस जटिलता को समझना ही किसी भी गंभीर राजनीतिक विश्लेषण की पहली शर्त होनी चाहिए।

विचार विण्डो

ऊर्जा आत्मनिर्भरता: संकट से अवसर की ओर भारत की यात्रा

राम प्रकाश शर्मा

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते भू–राजनीतिक तनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रणनीतिक स्थिरता का आधार है। मिसाइलों की चमक और युद्ध के बादल जब वैश्विक तेल आपूर्ति मार्गों को अस्थिर करते हैं, तो उसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर पड़ता है, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर हैं। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता है, अपनी लगभग 89 प्रतिशत तेल जरूरतें आयात करता है। यह स्थिति न केवल विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव डालती है, बल्कि आर्थिक नीति और विकास की गति को भी प्रभावित करती है।

इस निर्भरता का सबसे बड़ा हिस्सा उस समुद्री मार्ग से जुड़ा है जो पश्चिम एशिया के होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है–एक ऐसा क्षेत्र जो बार–बार वैश्विक तनाव का केंद्र बनता रहा है। जब भी यहां अस्थिरता बढ़ती है, तेल की कीमतें तुरंत प्रभावित होती हैं, और उसका असर भारतीय उपभोक्ताओं के पेट्रोल–डीजल और बिजली बिलों तक पहुंचता है। यह एक ऐसी आर्थिक श्रृंखला है जिसमें वैश्विक घटनाएं सीधे घरेलू जीवन को प्रभावित करती हैं। भारत का कच्चा तेल आयात बिल हाल के वर्षों में लगातार बढ़ा है। लाखों करोड़ डॉलर के इस खर्च का सीधा प्रभाव देश के व्यापार घाटे और मुद्रा स्थिरता पर पड़ता है। तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी अरबों डॉलर का अतिरिक्त बोझ डाल देती है। यह स्थिति इस बात की ओर संकेत करती है कि भारत को अपनी ऊर्जा संरचना में बड़े और रणनीतिक बदलाव करने होंगे। इसी पृष्ठभूमि में सौर ऊर्जा एक संभावित क्रांतिकारी विकल्प के रूप में उभरती है। भारत की भौगोलिक स्थिति इसे प्राकृतिक रूप से सौर ऊर्जा के लिए अत्यंत अनुकूल बनाती है। वर्ष में 300 से अधिक दिनों तक उपलब्ध सूर्य प्रकाश भारत को एक अद्वितीय ऊर्जा संसाधन प्रदान करता है, जिसे अब तक पूरी क्षमता से उपयोग नहीं किया गया है। यही वह संसाधन है जो ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत को नया मार्ग दिखा सकता है।

पिछले दशक में भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। सौर ऊर्जा क्षमता में तेजी से वृद्धि हुई है और देश ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान एक उभरते स्वच्छ ऊर्जा केंद्र के रूप में बनाई है। बड़े सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर योजनाएं और ग्रिड–आधारित सुधार इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम रहे हैं। कई अवसरों पर सौर ऊर्जा ने पीक

डिमांड के समय बिजली आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे यह साबित होता है कि यह तकनीक अब केवल पूरक नहीं बल्कि मुख्यधारा की ऊर्जा प्रणाली का हिस्सा बन चुकी है।

हालांकि इस प्रगति के बावजूद चुनौतियां अभी भी गंभीर हैं। सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा भंडारण की है। सूर्य हर समय उपलब्ध नहीं रहता, लेकिन बिजली की मांग लगातार बनी रहती है। इसलिए बैटरी स्टोरेज और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकों का विकास आवश्यक है। इसके बिना सौर ऊर्जा की पूरी क्षमता का उपयोग संभव नहीं होगा। इसके अलावा भूमि की उपलब्धता, रखरखाव की लागत और तकनीकी दक्षता जैसे मुद्दे भी इस क्षेत्र में बाधा उत्पन्न करते हैं। एक और महत्वपूर्ण पहलू आयात निर्भरता का है। सौर पैनलों और उनके प्रमुख घटकों के लिए अभी भी भारत काफी हद तक विदेशी आपूर्ति पर निर्भर है। यह स्थिति ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को आंशिक रूप से कमजोर करती है। हालांकि घरेलू उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है, लेकिन इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए और अधिक निवेश और तकनीकी नवाचार की आवश्यकता है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल तकनीकी बदलाव का विषय नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और पर्यावरणीय परिवर्तन का भी हिस्सा है। यदि भारत अपने तेल आयात को केवल आंशिक रूप से भी कम करने में सफल होता है, तो इससे विदेशी मुद्रा की बड़ी बचत संभव है। यह बचत न केवल आर्थिक स्थिरता बढ़ाएगी, बल्कि विकास परियोजनाओं और सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए अतिरिक्त संसाधन भी उपलब्ध कराएगी। इसके साथ ही, सौर ऊर्जा का विस्तार प्रदूषण में कमी और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में भी मदद करेगा। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटने से कार्बन उत्सर्जन कम होगा, जो वैश्विक पर्यावरणीय लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान होगा। यह भारत को न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाएगा, बल्कि एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में भी स्थापित करेगा।

इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार इस परिवर्तन का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा है। जैसे–जैसे परिवहन क्षेत्र में बिजली का उपयोग बढ़ेगा, तेल पर निर्भरता घटेगी। यह परिवर्तन धीरे–धीरे एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगा जिसमें ऊर्जा उत्पादन और खपत दोनों अधिक स्थायी और स्वच्छ होंगे। इसके अलावा, ऊर्जा दक्षता भी इस पूरी प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि खपत को भी अधिक कुशल बनाना होगा। भवनों, उद्योगों और परिवहन में ऊर्जा दक्ष तकनीकों का उपयोग इस दिशा में बड़ा बदलाव ला सकता है।

भारत के सामने आज एक स्पष्ट विकल्प है–या तो वह पारंपरिक ऊर्जा निर्भरता के चक्र में फंसा रहे, या फिर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक कदम उठाए। यह निर्णय केवल ऊर्जा नीति का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय भविष्य का निर्णय है। सूर्य हर दिन बिना किसी बाधा, बिना किसी भू–राजनीतिक तनाव के ऊर्जा प्रदान करता है। यह एक ऐसा संसाधन है जो किसी देश की सीमाओं या वैश्विक संघर्षों से प्रभावित नहीं होता। यदि भारत इस ऊर्जा को प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सफल होता है, तो वह न केवल अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में एक नई मिसाल भी कायम करेगा।

आईपीएल प्लेऑफ की जंग रोमांचक

हर मुकाबला बना निर्णायक

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 अब बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। प्लेऑफ की दौड़ में लगभग सभी टीमें अभी भी बनी हुई हैं, जिससे हर मुकाबला "करो या मरो" जैसा नजर आने लगा है। अंक तालिका में मामूली अंतर ने प्रतियोगिता को और दिलचस्प बना दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को हराकर तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया है और अब प्लेऑफ की तस्वीर तेजी से बदलती दिख रही है।

सनराइजर्स हैदराबाद 11 मैचों में 14 अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच चुकी है। टीम को प्लेऑफ में लगभग जगह पक्की करने के लिए अब सिर्फ एक जीत की जरूरत है। मजबूत बल्लेबाजी और शानदार नेट रन रेट टीम को टॉप–2 में पहुंचाने के बड़े दावेदार के रूप में देखे जा रहे हैं। वहीं पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। लगातार तीन हार के बावजूद टीम की स्थिति मजबूत है, लेकिन प्लेऑफ सुरक्षित करने के लिए उसे कम से कम दो और जीत दर्ज करनी होंगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी 12 अंकों के साथ मजबूत स्थिति में है। टीम का नेट रन रेट सबसे बेहतर है, जो आगे चलकर बड़ा फायदा दे सकता है। राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस भी 12–12 अंकों पर हैं, लेकिन गुजरात का कमजोर नेट रन रेट चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों टीमों को सुरक्षित स्थिति में पहुंचने के लिए कम से कम दो जीत और चाहिए।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आने वाले मुकाबले बेहद अहम होंगे। टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बाकी चार मैचों में तीन जीत दर्ज करनी होंगी। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स के लिए अब कोई गलती की गुंजाइश नहीं बची है। दिल्ली को अपने सभी मुकाबले जीतने होंगे और बड़े अंतर से जीत दर्ज कर नेट रन रेट भी सुधारना होगा।

कोलकाता नाइट राइडर्स की स्थिति भी मुश्किल बनी हुई है। टीम को प्लेऑफ में बने रहने के लिए लगभग सभी मैच जीतने होंगे। वहीं मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स की उम्मीदें काफी कमजोर हो चुकी हैं। दोनों टीमें अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकती हैं और उन्हें बाकी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा।

ऑरेंज कैप की रेस में हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन आगे चल रहे हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर हैं। पर्पल कैप फिलहाल आरसीबी के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के पास है। जैसे–जैसे लीग चरण समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, वैसे–वैसे हर मैच का दबाव बढ़ता जा रहा है। अब एक हार भी किसी टीम का पूरा समीकरण बिगाड़ सकती है।

थलापति विजय बहन की याद में हर गाड़ी पर लिखवाते हैं '0277' नंबर

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार और अब राजनीति में सक्रिय हो चुके थलापति विजय इन दिनों अपनी राजनीतिक रणनीतियों के साथ–साथ एक खास वजह से भी चर्चा में हैं। उनकी लग्जरी कारों और चुनाव प्रचार बस पर एक समान नंबर "0277" लोगों का ध्यान खींच रहा है। पहली नजर में यह सिर्फ एक वीआईपी नंबर लग सकता है, लेकिन इसके पीछे छिपी कहानी बेहद भावुक कर देने वाली है।

विजय महंगी और लग्जरी गाड़ियों के शौकीन माने जाते हैं। उनके गैराज में पहले से कई शानदार कारें मौजूद थीं और हाल ही में उन्होंने नई बीएमडब्ल्यू इलेक्ट्रिक कार, लेक्सस एलएम और टोयोटा वेलफायर जैसी गाड़ियां खरीदी हैं। खास बात यह है कि इन सभी वाहनों की नंबर प्लेट पर "0277" अंक जरूर मौजूद है। यहां तक कि उनकी चुनाव प्रचार बस पर भी यही नंबर देखा गया। दरअसल, "0277" कोई साधारण नंबर नहीं, बल्कि विजय की जिंदगी से जुड़ी एक भावनात्मक याद है। यह नंबर 14–02–77 यानी 14 फरवरी 1977 की तारीख को दर्शाता है। यही उनकी छोटी बहन विद्या चंद्रशेखर की जन्मतिथि थी। कम उम्र में ही उनकी बहन का निधन हो गया था और विजय आज भी उन्हें बेहद याद करते हैं। अपनी बहन की स्मृति को हमेशा अपने साथ रखने के लिए वह अपनी गाड़ियों में इसी नंबर का इस्तेमाल करते हैं।

बताया जाता है कि विजय की पुरानी रोल्स रॉयस कार का नंबर भी उनकी बहन से जुड़ा हुआ था। इससे साफ है कि परिवार के प्रति उनका भावनात्मक लगाव कितना गहरा है।

राजनीति में कदम रखने के बाद विजय की लोकप्रियता और बढ़ी है। उनकी पार्टी तमिलनाडु वेत्री कषगम ने विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि बहुमत से कुछ सीटें दूर रहने के कारण अब सबकी नजर संभावित गठबंधन पर टिकी है। लेकिन इन राजनीतिक चर्चाओं के बीच उनकी गाड़ियों का यह खास नंबर लोगों के दिलों को छू रहा है।

जॉन–बिपाशा रिश्ते की आखिरी फिल्म बनी 'गोल'

नौ साल बाद टूट गई बॉलीवुड की चर्चित जोड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड में जॉन अब्राहम और बिपाशा बसु की जोड़ी को आज भी सबसे चर्चित और ग्लैमरस कपल्स में गिना जाता है। दोनों की ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी थी। फिल्मी पर्दे से शुरू हुआ उनका रिश्ता धीरे–धीरे असल जिंदगी में भी मजबूत होता गया और करीब नौ साल तक दोनों एक–दूसरे के साथ रहे।

साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म "जिस्म" ने इस जोड़ी को रातोंरात स्टार बना दिया था। फिल्म की बोल्ड कहानी और दोनों की शानदार केमिस्ट्री ने उन्हें बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में शामिल कर दिया। इसके बाद दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए और हर बार दर्शकों ने उन्हें भरपूर प्यार दिया।

साल 2007 में रिलीज हुई "धन धना धन गोल" इस जोड़ी की आखिरी बड़ी फिल्म साबित हुई। फिल्म में जॉन ने फुटबॉलर और बिपाशा ने फिजियोथेरेपिस्ट का किरदार निभाया था।

कहानी विदेश में रहने वाले भारतीय समुदाय के संघर्ष पर आधारित थी। फिल्म का गाना "बिल्लो रानी" काफी लोकप्रिय हुआ और दोनों की मैच्योर केमिस्ट्री को भी खूब सराहा गया। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह दोनों की साथ में आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद जॉन और बिपाशा के रिश्ते में दूरियों की खबरें सामने आने लगीं। दोनों अपने–अपने करियर में व्यस्त हो गए और साथ काम करना लगभग बंद कर दिया। आखिरकार साल 2011 में दोनों के अलग होने की खबर ने फैंस को बड़ा झटका दिया।

आज दोनों अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं। जॉन अब्राहम एक सफल अभिनेता और निर्माता हैं, जबकि बिपाशा बसु परिवार और मदरहुड का आनंद ले रही हैं। इसके बावजूद, उनकी प्रेम कहानी और फिल्मों की केमिस्ट्री आज भी बॉलीवुड के सुनहरे दौर की याद दिलाती है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाएगी सीरीज

चमक सकते हैं युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आगामी क्रिकेट सीरीज को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया ए, ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 और महिला टीमों के भारत दौरे का शेड्यूल जारी कर दिया है। इस सीरीज को भविष्य के खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच माना जा रहा है। खास तौर पर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चाएं तेज हैं, जिन्हें भारत अंडर–19 टीम में मौका मिल सकता है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ए टीमों के बीच सितंबर से अक्टूबर 2026 के दौरान दो चार दिवसीय मुकाबले और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। ये मुकाबले पुडुचेरी में आयोजित होंगे। पहला चार दिवसीय मैच 22 से 25 सितंबर तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होगा। इसके बाद 6, 9 और 11 अक्टूबर को तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 टीम भी भारत दौरे पर आएगी।

दोनों देशों की अंडर–19 टीमों के बीच तीन एकदिवसीय और दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे। वनडे मुकाबले राजकोट में होंगे, जबकि चार दिवसीय मैच राजकोट और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे। यह सीरीज 18 सितंबर से शुरू होकर 8 अक्टूबर तक चलेगी।

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस अंडर–19 सीरीज में मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है। पिछले कुछ समय में उन्होंने घरेलू क्रिकेट और जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर काफी सुर्खियां बटोरी हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और बड़े शॉट खेलने की क्षमता ने क्रिकेट विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया है। ऐसे में चयनकर्ता उन्हें ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ आजमाना चाह सकते हैं।

यह सीरीज इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि अगले साल जनवरी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच प्रतिष्ठित बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी खेली जानी है। उससे पहले ऑस्ट्रेलिया की ए टीम भारतीय परिस्थितियों और पिचों को समझने के लिए यह दौरा करेगी। वहीं भारतीय टीम प्रबंधन भी युवा खिलाड़ियों की क्षमता को परखने का मौका पाएगा। पिछले वर्षों में ऑस्ट्रेलिया ए टीम के कई खिलाड़ियों ने भारत दौरे के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जगह बनाई थी। ऐसे में यह दौरा दोनों देशों के उभरते खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का सुनहरा अवसर माना जा रहा है।

आंखों की सर्जरी के बाद आराम पर अक्षय कुमार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में आंखों की माइनर सर्जरी कराई है। लगातार शूटिंग और व्यस्त शेड्यूल के बीच आंखों में परेशानी होने के बाद उन्होंने यह फैसला लिया। बताया जा रहा है कि केरल में अपनी नई फिल्म की शूटिंग पूरी करने के तुरंत बाद वह मुंबई के अस्पताल पहुंचे, जहां उनका विजन करेक्शन प्रोसीजर किया गया। डॉक्टरों ने सर्जरी के बाद उन्हें कुछ दिनों तक आराम करने की सलाह दी है। फिलहाल अभिनेता काम से छोटा ब्रेक लेकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। अक्षय इन दिनों निर्देशक अनीस बज्मी की नई फिल्म में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विद्या बालन और राशि खन्ना भी नजर आएंगी। लंबे समय बाद अक्षय और विद्या की जोड़ी पर्दे पर वापसी कर रही है। फैंस सोशल मीडिया पर अभिनेता के जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं।

बेटी की विदाई के बाद मातम में बदली खुशी

नाव पलटने से छह डूबे, पांच की मौत,एक मासूम की तलाश जारी

यूनिक समय, कानपुर। हमीरपुर के कुरारा थाना क्षेत्र स्थित कुतुपुर पटिया गांव में यमुना नदी में नाव पलटने से बड़ा हादसा हो गया। बेटी की विदाई के बाद परिवार और रिश्तेदार नाव से नदी पार खरबूजा खाने गए थे, लेकिन लौटते समय नाव हादसे का शिकार हो गई। हादसे में छह लोग नदी में डूब गए, जिनमें से गुरुवार दोपहर तक पांच शव बरामद कर लिए गए हैं। एक बच्चे की तलाश अब भी जारी है।

बताया गया कि रात करीब साढ़े आठ बजे नाविक मोबाइल फोन पर बात करते हुए नाव चला रहा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से नाव बीच नदी में पलट गई। नाव में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद नाविक समेत तीन लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि बाकी लोग तेज बहाव में बह गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और फ्लड पीएसी की टीमें मौके पर पहुंचीं। पूरी रात मूसलाधार बारिश और तेज बहाव के बीच रेस्क्यू अभियान चलता रहा। गुरुवार सुबह एक महिला और चार बच्चों के शव नदी से निकाले गए। अभी 11 वर्षीय आदित्य की तलाश जारी है। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजन रातभर नदी किनारे अपनों के मिलने की आस लगाए बैठे रहे। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं।

बारिश और बहाव के बीच चलता रहा रेस्क्यू अभियान

मोबाइल कॉल बनी नाव हादसे की बड़ी वजह

रातभर नदी किनारे अपनों का इंतजार करते रहे परिजन

कानपुर में बड़ा हादसा टला

नहर में गिरी बस से 19 कर्मचारियों की बची जान

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर के बिधनू क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। कर्मचारियों से भरी एक निजी बस तेज रफ्तार डंपर की टक्कर के बाद रामगंगा नहर में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, लेकिन पुलिस और स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बस में सवार सभी 19 कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

जानकारी के मुताबिक, कुड़नी मोहम्मदपुर गांव से निजी कंपनी के कर्मचारी बस से कानपुर देहात स्थित रनियां फैक्टरी जा रहे थे। जैसे ही बस बिधनू क्षेत्र में रामगंगा नहर पुल के पास पहुंची, सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नहर में जा गिरी। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया।

बस के नहर में गिरते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोगों ने खिड़कियों के शीशे तोड़कर बाहर निकलने की कोशिश की। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और रस्सियों की मदद से यात्रियों को बचाने का प्रयास शुरू किया। कुछ ही देर में पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और सीढ़ी लगाकर एक-एक कर सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।घायलों को तुरंत बिधनू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। राहत की बात यह रही कि किसी की जान नहीं गई। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया, जिसे पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद खुलवाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

डंपर की टक्कर से नहर में गिरी बस

पुलिस और लोगों ने बचाई जानें

खिड़कियां तोड़कर बाहर निकले कर्मचारी

हादसे के बाद हाईवे पर लगा जाम

फरार डंपर चालक की तलाश में पुलिस

जेल की सलाखों के बीच पनपा प्यार

मुस्लिम जेलर ने हिंदू युवक संग लिए सात फेरे

यूनिक समय, छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक अनोखी प्रेम कहानी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। सतना केंद्रीय जेल में तैनात मुस्लिम महिला सहायक जेल अधीक्षिका फिरोजा खातून ने हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट चुके हिंदू युवक धर्मेंद्र सिंह चंदला से हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार विवाह कर लिया। शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र सिंह वर्ष 2007 के एक चर्चित हत्या मामले में दोषी ठहराया गया था और करीब 14 साल जेल में रहने के बाद अच्छे आचरण के आधार पर रिहा हुआ था। जेल में वारंट संबंधी कार्यों के दौरान उसकी मुलाकात सहायक जेल अधीक्षिका फिरोजा खातून से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी और यह रिश्ता प्रेम में बदल गया।

बताया जा रहा है कि लड़की पक्ष इस रिश्ते के खिलाफ था, जिसके चलते परिवार का कोई सदस्य शादी में शामिल नहीं हुआ। ऐसे में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने आगे आकर कन्यादान की रस्म निभाई। विवाह वैदिक मंत्रोच्चार और हिंदू परंपराओं के साथ संपन्न हुआ।

इस अनोखी शादी को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे प्रेम और भाईचारे की मिसाल बता रहे हैं, जबकि कुछ सरकारी सेवा के दौरान बने रिश्ते पर सवाल उठा रहे हैं।

आगरा में नकली दवाओं के शक में मेडिकल एजेंसी सील

यूनिक समय, आगरा। आगरा की प्रमुख दवा मंडी फव्वारा में नकली दवाओं की शिकायत के बाद औषधि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। कम्मू टोला स्थित श्री मेडिकल एजेंसी पर औषधि विभाग की टीम ने करीब छह घंटे तक छापेमारी कर रिकॉर्ड और दवाओं की जांच की।

कार्रवाई के दौरान एजेंसी संचालक जरूरी दस्तावेज और बिल प्रस्तुत नहीं कर सके। स्टॉक रजिस्टर और खरीद-बिक्री रिकॉर्ड में कई गड़बड़ियां भी सामने आईं। जांच में पेट दर्द, एलर्जी और हड्डी रोग में इस्तेमाल होने वाली छह दवाएं संदिग्ध मिलीं। विभाग ने ऑक्सालजिन डीपी के चार और सेटिजन व प्रीमोल्ट एन के एक-एक सैंपल लेकर लैब जांच के लिए भेज दिए हैं।

सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने बताया कि एक नामी कंपनी ने अपने ब्रांड नाम से नकली दवाएं बिकने की शिकायत की थी। इसी आधार पर कार्रवाई की गई। फिलहाल एजेंसी की दवाओं की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी गई है। लैब रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई होगी।

छह घंटे तक खंगाले गए दवा एजेंसी के रिकॉर्ड

जांच में कई दवाओं के सैंपल मिले संदिग्ध

बिल और स्टॉक रजिस्टर में मिली भारी गड़बड़ी

लैब रिपोर्ट के बाद होगी आगे की कानूनी कार्रवाई

यूपी में मौसम का कहर

आंधी-बारिश से जनजीवन बेहाल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार सातवें दिन मौसम ने करवट बदली और कई जिलों में तेज आंधी, बारिश व ओलावृष्टि ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। गुरुवार सुबह लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, महोबा, बिजनौर, प्रयागराज और बांदा समेत कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। महोबा में आधे घंटे तक जमकर ओले गिरे, जबकि बिजनौर में तेज आंधी के कारण सड़क किनारे लगा टावर गिर पड़ा, जिससे बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। बाराबंकी में बारिश के दौरान बड़ा सड़क हादसा हो गया। लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर फिसलन की वजह से दो डबल डेकर बसें, एक डीसीएम और कई वाहन आपस में भिड़ गए। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, खराब मौसम का असर हवाई सेवाओं पर भी देखने को मिला। दिल्ली से पटना जा रही इंडिगो फ्लाइट टर्बुलेंस में फंस गई। विमान हवा में डगमगाने लगा तो यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। फ्लाइट को बाद में लखनऊ डायवर्ट किया गया, जहां सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। विमान के पायलट भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी थे। सुरक्षित लैंडिंग के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। मौसम विभाग ने प्रदेश के 44 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई स्थानों पर 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। फिलहाल लोगों को भीषण गर्मी से राहत जरूर मिली है, लेकिन मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक सतर्क रहने की सलाह दी है।

सीएम ने किया डिजिटल जनगणना अभियान का शुभारंभ

सही आंकड़े तय करेंगे विकास की दिशा : योगी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित अपने आवास पर आयोजित कार्यक्रम में 'हमारी जनगणना, हमारा विकास' अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान मकान सूचीकरण और मकानों की गणना कार्य की औपचारिक शुरुआत की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना केवल लोगों की संख्या गिनने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह समग्र और योजनाबद्ध विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सटीक आंकड़े सरकार की योजनाओं और नीतियों को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में जनगणना के आंकड़े बेहद उपयोगी साबित होंगे। इस बार जनगणना को पूरी तरह डिजिटल स्वरूप दिया गया है। आम नागरिक 7 मई से 21 मई 2026 तक स्वगणना के माध्यम से ऑनलाइन अपनी जानकारी खुद दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद जनगणना कर्मी घर-घर जाकर सत्यापन और सूचीकरण का कार्य करेंगे। दूसरे चरण में प्रत्येक व्यक्ति की विस्तृत गणना की जाएगी।

सीएम योगी ने बताया कि इस बार पहली बार जातीय गणना भी जनगणना प्रक्रिया का हिस्सा बनाई गई है। साथ ही वन ग्रामों को भी इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। इसके लिए विशेष जनगणना पोर्टल तैयार किया गया है, जिससे ग्राम और वार्ड स्तर तक निगरानी संभव होगी।

प्रदेश में इस बड़े अभियान के लिए करीब 5.25 लाख कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इनमें प्रगणक, सुपरवाइजर और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे इसे राष्ट्रीय जिम्मेदारी मानकर सही और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

योगी सरकार ने शुरू की प्रदेशभर में डिजिटल जनगणना

सेल्फी का जुनून बना मौत का कारण, गंगा में डूबा युवा नेता

यूनिक समय,वाराणसी। वाराणसी में गंगा किनारे सेल्फी लेना एक युवा नेता के लिए जानलेवा साबित हो गया। ग्रेटर नोएडा निवासी 27 वर्षीय हर्षवर्धन ठाकुर की क्रूज से गिरकर मौत हो गई। वह अपने पांच दोस्तों के साथ काशी घूमने आए थे और तड़के मंगला आरती में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे। घटना बुधवार देर रात मान घाट की है। दोस्तों के मुताबिक, घाट पर खड़े क्रूज पर चढ़कर हर्षवर्धन मोबाइल से सेल्फी और वीडियो बना रहे थे। इसी दौरान एक क्रूज से दूसरे पर जाने की कोशिश में उनका पैर फिसल गया और वह सीधे गंगा नदी में जा गिरे। तेज बहाव और अंधेरे के कारण उन्हें तुरंत बचाया नहीं जा सका। दोस्तों के शोर मचाने पर गोताखोर मौके पर पहुंचे और देर रात तक तलाश अभियान चलाया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। गुरुवार सुबह एनडीआरएफ ने दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया। करीब सात घंटे बाद गंगा से हर्षवर्धन का शव बरामद किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर को एक साल पूरा होने पर राष्ट्रपति मुर्मू का सख्त संदेश

भारत को धमकाने वालों को मिलेगा करारा जवाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर देश को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान आतंकवाद के खिलाफ भारत के अडिग और मजबूत संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और नागरिकों को चुनौती देने वाली हर ताकत को करारा जवाब दिया जाएगा। राष्ट्रपति ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि भारत को धमकाने की कोशिश करने वालों को यह समझ लेना चाहिए कि देश पूरी तरह सतर्क, एकजुट और जवाब देने के लिए तैयार है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में भारतीय सशस्त्र सेनाओं की बहादुरी और पेशेवर क्षमता की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की असाधारण सफलता भारतीय सेना के अद्वितीय साहस और दृढ़ निश्चय को दर्शाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले का भारतीय सेना ने सटीक और प्रभावी जवाब दिया था। उन्होंने देश के सैनिकों के बलिदान और

समर्पण को नमन करते हुए कहा कि पूरा राष्ट्र उनकी वीरता पर गर्व करता है। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय रक्षा बलों द्वारा 7 से 10 मई 2025 के बीच चलाया गया एक विशेष सैन्य अभियान था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी। उस हमले में तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इस

कहा, देश की सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता

सेना के साहस और बलिदान को सलाम

घटना के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मौजूद आतंकी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। राष्ट्रपति मुर्मू के बयान को राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का मजबूत संकेत माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और भारत किसी भी खतरे का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। राष्ट्रपति के इस संदेश ने देशवासियों में विश्वास और सुरक्षा की भावना को और मजबूत किया है।

इंदिरा गांधी अस्पताल परिसर में बनेगा अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के स्वास्थ्य और मेडिकल शिक्षा ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल परिसर में एक अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर करीब 805.99 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नए मेडिकल कॉलेज में हर वर्ष 250 एमबीबीएस सीटों पर दाखिला दिया जाएगा। इससे दिल्ली और आसपास के राज्यों के छात्रों को मेडिकल शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। सरकार का उद्देश्य राजधानी को मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनाना है। इस मेडिकल कॉलेज में आधुनिक शिक्षा और प्रशिक्षण की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। छात्रों के लिए अत्याधुनिक हॉस्टल, आवासीय परिसर और अन्य जरूरी सुविधाओं का भी निर्माण किया जाएगा। कॉलेज परिसर को ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा, ताकि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल सके।

सरकार का मानना है कि इस परियोजना से न केवल मेडिकल शिक्षा को

हर साल 250 एमबीबीएस सीटों पर होगा दाखिला

इस परियोजना पर करीब 805.99 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे

मजबूती मिलेगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। इंदिरा गांधी अस्पताल परिसर में मेडिकल कॉलेज बनने से मरीजों को बेहतर इलाज और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार निवेश कर रही है और आने वाले समय में राजधानी में स्वास्थ्य सुविधाओं का और विस्तार किया जाएगा। इस परियोजना को दिल्ली के स्वास्थ्य ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

बिहार मंत्रिमंडल विस्तार में जातीय समीकरणों का बड़ा असर

भापजा के 16 मंत्रियों सहित 25 मंत्रियों ने ली शपथ

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार की राजनीति में जातीय समीकरण हमेशा अहम भूमिका निभाते रहे हैं और हालिया मंत्रिमंडल विस्तार में भी इसका स्पष्ट असर देखने को मिला। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली नई सरकार में मंत्रियों के चयन से लेकर कई बड़े नेताओं के नाम कटने तक, हर फैसले में जातीय संतुलन को प्राथमिकता दी गई। भाजपा और जदयू समेत सहयोगी दलों ने अलग-अलग वर्गों और समुदायों को साधने की कोशिश की है।

नई सरकार में भाजपा के 16 मंत्री, जदयू के 15 मंत्री, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के दो मंत्री, जबकि हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा से एक-एक मंत्री शामिल किए गए हैं। मंत्रिमंडल में ओबीसी, ईबीसी, दलित, ब्राह्मण, राजपूत और वैश्य समुदायों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। हालांकि इस विस्तार में कई चर्चित

मंत्रिमंडल में ओबीसी ईबीसी, दलित, ब्राह्मण राजपूत और वैश्य समुदायों को दिया प्रतिनिधित्व

नेताओं को जगह नहीं मिली। सबसे ज्यादा चर्चा भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडेय के मंत्रिमंडल से बाहर होने की रही। बताया जा रहा है कि ब्राह्मण समाज से पहले ही दो नेताओं को जगह मिलने के कारण उनका नाम अंतिम सूची से हटा दिया गया। दूसरी ओर, जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का मंत्री बनना भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। परिवारवाद के खिलाफ माने जाने वाले नीतीश कुमार के बेटे का राजनीति में सक्रिय होना कई लोगों के लिए चौंकाने वाला रहा। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की जाति कायस्थ को प्रतिनिधित्व नहीं मिलने का मुद्दा भी सामने आया है। बिहार सरकार में इस बार कायस्थ समाज से कोई मंत्री नहीं बनाया गया, जिससे सोशल मीडिया पर नाराजगी देखने को मिल रही है। साथ ही राजधानी पटना के शहरी क्षेत्र से भी किसी विधायक को मंत्री पद नहीं मिलने पर सवाल उठ रहे हैं।

ट्रंप ने पीएम मोदी को विस चुनावों में मिली ऐतिहासिक जीत पर दी बधाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विधानसभा चुनावों में मिली 'ऐतिहासिक और निर्णायक' जीत पर बधाई दी है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देशाई ने बताया कि हाल ही में फोन पर हुई बातचीत में ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की नेतृत्व क्षमता की सराहना की थी।

उन्होंने कहा कि भारत वास्तव में भाग्यशाली है कि उसे प्रधानमंत्री मोदी जैसा नेता मिला है। ट्रंप ने चुनाव परिणामों को मोदी के मजबूत नेतृत्व और जनता के विश्वास का प्रतीक बताया। हाल ही में आए विधानसभा चुनाव परिणामों में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में बड़ी जीत हासिल की और राज्य में दो-तिहाई बहुमत प्राप्त किया। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लंबे शासन का अंत हो गया। वहीं असम में भाजपा ने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर अपनी स्थिति और मजबूत की है। इन नतीजों को देश की राजनीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है, जहां भाजपा ने पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में अपनी पकड़ और मजबूत की है।

भतरोंजखान में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के भतरोंजखान थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा रापड़ मोड़ से सोनी रानीखेत जाने वाले मार्ग पर हुआ, जहां एक ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई।

जानकारी के अनुसार, कार में सवार लोग जागर कार्यक्रम से लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि सभी लोग रात में ग्राम चमोली पुसैला में आयोजित जागर कार्यक्रम में शामिल हुए थे और बुधवार तड़के घर लौटते समय यह हादसा हो गया। सुबह करीब चार बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक वाहन का नंबर प्लेट सड़क पर पड़ा है,

लेकिन वाहन दिखाई नहीं दे रहा। इसके बाद आशंका जताई गई कि वाहन खाई में गिर गया है। सूचना मिलते ही भतरोंजखान पुलिस, एसडीआरएफ, 108 एंबुलेंस, आपदा कंट्रोल और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद वाहन को करीब 150 मीटर गहरी खाई से निकाला गया। कार में सवार तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था

चार हजार पुलिसकर्मी चप्पे चप्पे पर रखेंगे नजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर कोलकाता में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। यह समारोह नौ मई को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। कार्यक्रम को ऐतिहासिक और संवेदनशील मानते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। राज्य पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, समारोह स्थल और उसके आसपास करीब 4,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के समारोह में शामिल होने की संभावना है। वीवीआईपी मूवमेंट और भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने पूरे ब्रिगेड परेड ग्राउंड को लगभग 30 सुरक्षा सेक्टरों में विभाजित किया है। हर सेक्टर की निगरानी पुलिस उपायुक्त या सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी करेंगे। इसके अलावा आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकती है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कार्यक्रम स्थल पर बहुस्तरीय जांच प्रणाली लागू की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता समारोह में होंगे शामिल

जाएगी। सभी प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे। पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी व्यक्ति के पास प्रतिबंधित या खतरनाक वस्तु न हो। पूरे मैदान और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के जरिए लगातार की जाएगी। इसके साथ ही आसपास की इमारतों और ऊंची छतों पर भी सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाएगा ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर सुरक्षा योजना को अंतिम रूप दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि समारोह में भारी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है, इसलिए भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए शहर के कई प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन और अस्थायी प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं। पुलिस ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि समारोह के दौरान वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। प्रशासन का उद्देश्य समारोह को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना है।

राज्यपाल ने की पश्चिम बंगाल की विधानसभा भंग

यूनिक समय, मथुरा। पश्चिम बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्यपाल ने विधानसभा भंग करने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही 17वीं विधानसभा का कार्यकाल समाप्त हो गया है और 18वीं विधानसभा के गठन का रास्ता साफ हो गया है। राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 174 (2) के तहत यह कदम उठाया। अब जल्द ही नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा और मंत्रिमंडल का गठन किया जाएगा। प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं तथा पहले सत्र की रूपरेखा भी तय की जा रही है।

नूंह में पुलिस और गो-तस्करों के बीच मुठभेड़, दो आरोपी घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह जिले में गुरुवार सुबह पुलिस और कथित गो-तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस कार्रवाई में दो आरोपियों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपियों की पहचान घाटा निवासी नफीस और मुबारिक के रूप में हुई है। दोनों को इलाज के लिए नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, अपराध जांच शाखा नूंह की टीम प्रभारी निरीक्षक संदीप मोर के नेतृत्व में इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान नूंह-तावडू सड़क पर पहाड़ क्षेत्र में स्थित रिपीटर नाका के पास संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दीं। पुलिस ने जब संदिग्ध वाहन को रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस और गो-तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने मौके से दो गोवंश

जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैरों में लगी गोली

और एक पिकअप गाड़ी बरामद की है। अधिकारियों के अनुसार, बरामद वाहन का इस्तेमाल कथित तौर पर गो-तस्करी के लिए किया जा रहा था।घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई और पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान भी चलाया।

नूंह सदर थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध गतिविधियों और गो-तस्करी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अपराध जांच शाखा द्वारा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

सब रजिस्ट्रार कार्यालय में बाबू की तबीयत बिगड़ी

दो घंटे ठप रहा कामकाज

मीटिंग छोड़कर पहुंचे सब रजिस्ट्रार, खुद निपटाए पेंडिंग काम

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। सब रजिस्ट्री कार्यालय में गुरुवार को दोपहर में उस वक्त अफरा–तफरी मच गई, जब कामकाज के दौरान एक बाबू की अचानक तबीयत खराब हो गई। इस घटना के कारण कार्यालय का कामकाज लगभग दो घंटे तक पूरी तरह ठप रहा। हालांकि, सूचना मिलते ही सब रजिस्ट्रार अरुण कुमार अपनी मीटिंग बीच में छोड़कर दफ्तर पहुंचे और मोर्चा संभाला। इसके बाद शाम पांच बजे तक रिकॉर्ड 116 बैनामे दर्ज किए गए। जानकारी के अनुसार, रजिस्ट्री कार्यालय में जब दस्तावेजों की जांच और फीडिंग का काम जोरों पर था, तभी संबंधित पटल पर तैनात

छाता स्थित सब रजिस्ट्रार कार्यालय का नजारा।

बाबू की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाबू के अचानक हटने से तकनीकी और कागजी प्रक्रिया रुक गई, जिससे दूर–दराज से आए पक्षकारों और वकीलों की भीड़ जमा हो गई। करीब दो घंटे तक काम बंद रहने से लोग परेशान नजर आए। जैसे ही इस बात की सूचना मथुरा मीटिंग में सब रजिस्ट्रार अरुण कुमार को मिली, वह वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चल रही अपनी महत्वपूर्ण मीटिंग को बीच में ही छोड़कर तुरंत कार्यालय छाता पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और काम में देरी न हो, इसके लिए खुद ही काम को निपटाना शुरू कर दिया।

अधिकारी की सक्रियता को देख अन्य कर्मचारियों ने भी तेजी से काम किया। दोपहर बाद काम ने रफ्तार पकड़ी और शाम तक कार्यालय खुला रहा। भर्ती बाबू की स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है।

श्री जी मंदिर में लोहे की रेलिंग में करंट आने से अफरा तफरी

यूनिक समय, बरसाना। श्रीजी मंदिर में आज दर्शन के दौरान लोहे की रेलिंग में विद्युत करंट आने की खबर से अफरा तफरी मच गई। रेलिंग छूते ही कई श्रद्धालुओं को झटके महसूस हुए तो हड़कंप मच गया। सेवायतों और मंदिर कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं को रेलिंग से दूर हटाया और फिर दूरी बनवाकर दर्शन कराना शुरू कर दिया।

श्रद्धालु एक दूसरे को रेलिंग से दूर रहने की चेतावनी देते नजर आए। भीड़ अधिक होने के कारण मंदिर कर्मचारियों को व्यवस्था संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सूचना मिलते ही मंदिर प्रशासन सक्रिय हो गया और विद्युत कर्मियों को मौके पर बुलाया गया। प्राथमिक जांच में किसी विद्युत तार में लीकेज या अर्थिंग की खराबी की आशंका जताई जा रही है।

मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं से लगातार अपील की जा रही है कि वे लोहे की रेलिंग को हाथ न लगाएं और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। उधर घटना के बाद कई श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में विद्युत सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता भी जताई।

वृंदावन नाव हादसे के नाविक को नहीं मिली जमानत

जिला जज ने खारिज कर दी जमानत अर्जी

यूनिक समय, मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने वृंदावन में पौंटून पुल से टकराकर नाव पलटने के कारण पंजाब के 16 श्रद्धालुओं की हुई मौत के मामले में कारागार में निरुद्ध नाव चालक की जमानत खारिज कर दी है।

डीजीसी शिवराम सिंह तर्कर ने बताया कि वृंदावन में हुई नाव दुर्घटना में पंजाब के 16 श्रद्धालुओं की हुई मौत के मामले में पुलिस ने नाव चलाने वाले पप्पू उर्फ दाऊजी को लापरवाही से नाव चला कर पेंटून पुल से नाव को टकराकर पलटने और 16 लगों की मौत के मामले में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में 11 अप्रैल को जेल भेज दिया था। कारागार में निरुद्ध नाविक पप्पू उर्फ दाऊजी ने वकील के माध्यम से अपनी जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। न्यायाधीश ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते कहा कि घटना में 16 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। इसके साथ ही अभियुक्त की विवेचना प्रचलित है ओर उसके द्वारा ऐसा सबूत नहीं दिया गया है कि उसे झूठा फंसाया गया है। जमानत का कोई उचित कारण नहीं है। इसलिए जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

मनोज बने सहायक अभियंता एसोसिएशन के अध्यक्ष

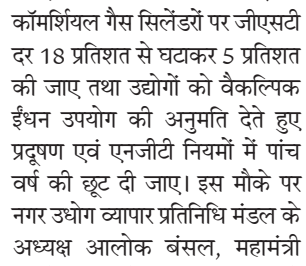

मनोज कुमार सैंगर

यूनिक समय, मथुरा। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता एसोसिएशन के चुनाव में सर्वसम्मति से इंजीनियर मनोज कुमार सैंगर को अध्यक्ष चुना गया। सभी सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

एसोसिएशन की पूर्ववर्ती कार्यकारिणी के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर विभाग के निरीक्षण भवन में विभाग के निर्माण खंड एक एवं प्रांतीय खंड के सदस्य सहायक अभियंताओं की बैठक हुई। इसमें सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रांतीय खंड के इंजी. मनोज कुमार सैंगर को जिलाध्यक्ष निर्वाचित घोषित कर दिया। वहीं उनके प्रस्ताव पर इंजी. जय प्रकाश सिंह को जिला सचिव एवं इंजी. भीष्म दत्त शर्मा को जिला कोषाध्यक्ष चुना गया। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सदस्यों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर सहायक अभियंता विवेक कुमार शर्मा, संजय यादव, अजय कुमार सिंह, बीके शर्मा, बीडी शर्मा, संदीप तोमर तथा पूजा मिश्रा आदि सदस्य मौजूद थे।

जीएसटी ट्रिब्यूनल और अपील प्रक्रिया की बारीकियों पर मंथन

जीएसटी के जटिल कानूनी प्रावधानों पर मंथन करते मुख्य वक्ता सीए गौरव अग्रवाल और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा में दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की मथुरा शाखा द्वारा 'जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल एवं नवीनतम संशोधन' विषय पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में जीएसटी के जटिल कानूनी प्रावधानों, अपील प्रक्रिया और असेसमेंट से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता सीए गौरव अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी केवल टैक्स व्यवस्था नहीं, बल्कि लगातार विकसित होती प्रणाली है, जिसे सही तरीके से समझने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता और गहन अध्ययन जरूरी है। उन्होंने जीएसटी ट्रिब्यूनल, अपील और असेसमेंट की प्रक्रियाओं की बारीकियों को सरल तरीके से समझाया।

मुख्य अतिथि केंद्रीय परिषद सदस्य सीए अनुज गोयल ने प्रोफेशनल उत्कृष्टता और निरंतर ज्ञानवर्धन पर जोर देते हुए कहा कि ट्रिब्यूनल कार्यों के लिए आवश्यक विशेष कौशल चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के पास उपलब्ध हैं। कार्यक्रम का संचालन सीआईसीएएसए के चेयरमैन सीए धर्मेंद्र गोयल ने किया। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता सीए कुलदीप अरोड़ा और सीए अश्वनी खंडेलवाल ने की। अंत में मथुरा शाखा के चेयरमैन सीए लोकेश वार्ष्णेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

नगर निगम मथुरा–वृंदावन वित्तीय व्यवस्थाओं की हुई समीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन नगर निगम में बुधवार को आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की प्रधान मुख्य नियंत्रक लेखा सोफिया दहिया ने अपनी म्यूनिसिपल फाइनेंस टीम के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में नगर आयुक्त जग प्रवेश, अपर नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक का उद्देश्य जीएलआईएस प्लेटफॉर्म पर म्यूनिसिपल एसेट रजिस्टर की प्रगति की समीक्षा करना तथा म्यूनिसिपल फाइनेंशियल डायग्नोस्टिक्स के अंतर्गत नगर निगम के वित्तीय प्रदर्शन और प्रबंधन पर चर्चा करना था। इस दौरान लेखा व्यवस्था, राजस्व सृजन और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सोफिया दहिया ने नगर निगम की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि नगर आयुक्त श्री जग प्रवेश के नेतृत्व में टीम बेहतर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

राया में ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

यूनिक समय, राया (मथुरा)। नगर पंचायत प्रशासन ने ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर गुरुवार को कस्बा में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अधिशाषी अधिकारी शिवकुमार ने कस्वा पुलिस चौकी प्रभारी उज्ज्वल शर्मा व भारी संख्या में पुलिसबल आउट जेसीवबी के साथ बल्देव, सादाबाद, हाथरस तथा मांट मार्ग से सड़क के दोनों तरफ दुकानदारों द्वारा किये अस्थायी व स्थायी अतिक्रमण को हटवाया। अधिशाषी ने दुकानदारों से दोबारा सड़क पर अतिक्रमण न करने की हिदायत दी। दोबारा अतिक्रमण करने पर समान जब्त करने की कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान सफाई नायक अजित सिंह जीतू सहित आदि मौजूद थे।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमत वापस हो

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत कम करने के लिए ज्ञापन देते वृंदावन के व्यापारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की लगातार बढ़ती कीमतों और उपलब्धता की समस्या को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एक अधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन में कहा कि कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की कमी और दामों में अचानक लगभग 1000 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी से होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, कैटरिंग, डेयरी, फेरी एवं खाद्य व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों के सामने भारी आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। मांग की गई कि कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए तथा घरेलू गैस सिलेंडर की तरह कॉमर्शियल सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही गैस के वैकल्पिक संसाधनों की खोज के लिए अनुसंधान समिति गठित करने और बढ़े हुए दाम तुरंत वापस लेने की मांग भी की गई।

ज्ञापन में यह भी मांग रखी गई कि कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों पर जीएसटी दर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत की जाए तथा उद्योगों को वैकल्पिक ईंधन उपयोग की अनुमति देते हुए प्रदूषण एवं एनजीटी नियमों में पांच वर्ष की छूट दी जाए। इस मौके पर नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष आलोक बंसल, महामंत्री लक्ष्मीनारायण दीक्षित, संयुक्त महामंत्री आशीष ठाकुर, बृजेश गुप्ता बंटी तथा युवा नगर अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय उपस्थित थे।

शहर की समस्याओं को लेकर व्यापारियों ने किया मंथन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की कार्यकारिणी के एक साल पूर्ण होने पर आयोजित बैठक में एक साल के कार्यों का मूल्यांकन किया गया, वहीं नगर के कोने–कोने से मौजूद पदाधिकारियों ने नगर निगम की कार्य प्रणाली को लेकर जबरदस्त रोष था। निगम द्वारा पुराने बस अड्डे से होली गेट तक छोड़ी गई अधूरी सड़क, होली गेट से आर्य समाज, होली गेट से भरतपुर गेट सड़क व मसानी से भूतेश्वर तक की सड़कों की बदहाल स्थिति को देखते हुए निगम के खिलाफ निर्णायक आंदोलन करने की हुंकार भरी वही संगठन की मजबूती के लिए नवीन दायित्वों की घोषणा की गई। विद्युत विभाग की बदहाल व्यवस्था को लेकर भी व्यापारियों में रोष व्याप्त था।

समस्याओं पर मंथन करते शशिभानु गर्ग एवं व्यापारी।

अग्रवाल धर्मशाला में हुई बैठक की अध्यक्षता करते नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने व्यापारी हितों व निरंतर एक वर्ष तक किए गए कार्यों की समीक्षा की। संगठन विस्तार के लिए और अधिक सक्रियता से नगर के सभी बाजारों, कंपलेक्सों, मार्केट व मोहल्लों तक व्यवसाय समितियों के गठन की बात कही।

नगर महामंत्री शशिभानु गर्ग ने कहा कि लगभग पांच दर्जन क्षेत्रीय इकाइयों व विभिन्न व्यवसायों से संबंधित समितियां हमसे संबंध हैं और इस वर्ष को संगठन वर्ष के रूप में मनाते हुए 100 व्यावसायिक समितियों के गठन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके लिए क्षेत्रवार पदाधिकारीयों को जिम्मेदारी दी जाएगी।

उपाध्यक्ष रामचंद्र खत्री व राकेश अग्रवाल ने लचर विद्युत व्यवस्था का मुद्दा उठाया। उपाध्यक्ष गुरमुख दास व सुनील साहनी ने पुराने बस अड्डे से होली गेट तक बनाई गई सड़क के

व्यापारियों ने आंदोलन के लिए एलान किया

दोनों और महीनो बाद भी फुटपाथ व नाली निर्माण न होने से व्यापारियों को हो रही नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया। बैठक में सह महामंत्री भगवान चतुर्वेदी, वरिष्ठ मंत्री विकास जिंदल,

युवा व्यापार मंडल नगर अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, नगर मंत्री नागेंद्र वर्मा आदि ने विचार व्यक्त किए। नगर अध्यक्ष ने संगठन को गति देने के लिए नागरिक सुरक्षा संगठन के डिप्टी चीफ वार्डन कल्याण दास अग्रवाल को नगर उपाध्यक्ष, पंकज शर्मा को नगर संगठन मंत्री, बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष सर्वेश शर्मा एडवोकेट को व्यापार मंडल कानूनी प्रकोष्ठ का नगर संयोजक नियुक्त किया।

वृंदावन के व्यापारियों ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन